लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार 17 फरवरी, 2026

वर्ष : 11 | अंक: 178

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

"ज़िंदगी में वही लोग सफल होते हैं जो मुश्किल रास्तों को अपनी ताक़त बनाकर आगे बढ़ते रहते हैं।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

बंगाल में चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन : 7 अफसर निलंबित, एसआईआर के काम में गड़बड़ी के आरोप

नई दिल्ली ,16 फरवरी (आरएनएस) । भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) कार्य में लगे सात अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। गंभीर कदाचार के आरोपों के चलते यह कार्रवाई की गई। आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है।

निलंबित सभी अधिकारी स्ढ्ढक्र प्रक्रिया में सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ऋश्वक्रह्र) के रूप में कार्यरत थे। आमतौर पर बूथ स्तर के अधिकारी (क्चरुह्र) और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (श्वक्रह्र) राज्य सरकार के कर्मचारी होते हैं, जिन्हें मतदाता सूची के अद्यतन और चुनावी कार्यों के लिए आयोग में प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया जाता है। आयोग के आदेश के अनुसार, मुख्य सचिव को निर्देश दिया गया है कि संबंधित अधिकारियों के कैडर नियंत्रक प्राधिकरणों के माध्यम से बिना किसी देरी के विभागीय कार्रवाई शुरू की जाए। साथ ही, की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट आयोग को उपलब्ध कराई जाए।

मौसम एक बार फिर बदलेगा मिजाज, 17 को बारिश की संभावना, एनसीआर में एक्यूआई ऑरेंज जोन में

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलता नजर आ रहा है। मौसम विभाग के 7 दिन के पूर्वानुमान के अनुसार 17 फरवरी को आसमान में सामान्य से अधिक बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसके बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। पूर्वानुमान के मुताबिक, 16 फरवरी को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है तथा मौसम मुख्य रूप से साफ रहेगा। 17 फरवरी को भी न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम 27 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, लेकिन इस दिन सामान्यत: बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। 18 फरवरी को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री रहने का अनुमान है तथा मौसम फिर से साफ हो जाएगा। 19 फरवरी को न्यूनतम 14 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री, 20 फरवरी को न्यूनतम 14 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री तथा 21 फरवरी को भी न्यूनतम 14 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। अधिकांश दिनों में मुख्य रूप से साफ आसमान रहने की संभावना जताई गई है। वहीं, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की बात करें तो एनसीआर में फिलहाल स्थिति आंशिक रूप से ठीक बनी हुई है, लेकिन अधिकांश स्थानों पर एक्यूआई ऑरेंज श्रेणी में दर्ज किया गया है। गाजियाबाद में इंदिरापुरम का एक्यूआई 269, लोनी 299, संजय नगर 198 और वसुंधरा 259 दर्ज किया गया। दिल्ली में आनंद विहार का एक्यूआई 300, अशोक विहार 266, अलीपुर 256, बवाना 264, बुराड़ी क्रॉसिंग 240, चांदनी चौक 247, सीआरआरआई मथुरा रोड 202, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज 212 और डीटीयू 205 दर्ज किया गया।

सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय थीम पर आधारित है इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का आज से आगाज होने जा रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समिट का उद्घाटन करेंगे, जो पहली बार ग्लोबल साउथ में होने जा रहा है। दुनियाभर के दिग्गज इस समिट में शामिल होने वाले हैं। पीएम मोदी ने कहा कि एआई इम्पैक्ट समिट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अलग-अलग पहलुओं, जैसे नवाचार, सहयोग, जिम्मेदारी से इस्तेमाल और भी अन्य मुद्दों पर ग्लोबल बातचीत को बेहतर बनाएगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एआई पर चर्चा के लिए दुनिया को एक साथ लाना! आज से, भारत दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट होस्ट कर रहा है। मैं इस समिट के लिए दुनिया भर के लीडर्स, इंडस्ट्री के कैप्टन्स, इनोवेटर्स, पॉलिसीमेकर्स, रिसर्चर्स और टेक के शौकीनों का दिल से स्वागत करता हूं। समिट की थीम है सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, यानी सभी का कल्याण, सभी के लिए खुशी, जो ह्यूमन-सेंट्रिक प्रोग्रेस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के हमारे साझा कमिटमेंट को दिखाता है। पीएम मोदी ने कहा, एआई आज स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, गवर्नेंस और एंटरप्राइज सहित कई सेक्टर्स को बदल रहा है। एआई इम्पैक्ट समिट एआई के अलग-अलग पहलुओं, जैसे इनोवेशन, कोलेबोरेशन, जिम्मेदारी से इस्तेमाल और भी बहुत कुछ पर ग्लोबल बातचीत को बेहतर बनाएगा। मुझे विश्वास है कि समिट के नतीजे एक ऐसे भविष्य को बनाने में मदद करेंगे जो प्रोग्रेसिव, इनोवेटिव और मौकों पर आधारित हो।

उन्होंने आगे कहा, भारत के 1.4 बिलियन लोगों की वजह से, हमारा देश एआई ट्रांसफॉर्मेशन में सबसे आगे है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर एक वाइब्रेंट स्टार्टअप इकोसिस्टम और कटिंग-एज रिसर्च तक, एआई में हमारी तरक्की लक्ष्य और जिम्मेदारी दोनों को दिखाती है।

इससे पहले एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, यह हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के लिए दुनियाभर से लोग भारत आ रहे हैं। इससे हमारे देश के युवाओं के सामर्थ्य का भी पता चलता है। यह अवसर इस बात का भी प्रमाण है कि हमारा देश विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है और वैश्विक विकास में अहम योगदान दे रहा है। पीएम मोदी ने संस्कृति सुभाषित भी शेयर किया है। उन्होंने लिखा, दाने तपसि शौचं च विज्ञानं विनये नये। विस्मयो न हि कर्तव्यो बहुरत्ना वसुन्धरा।

'रिफॉर्म एक्सप्रेस' की रफ्तार से नहीं हूं संतुष्ट, प्राइवेट सेक्टर को दी मुनाफे से आगे सोचने की नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में संपन्न हुए बजट सत्र के पहले चरण के बाद अपना पहला अहम इंटरव्यू दिया है। पीएम ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ने सुधारों (रिफॉर्म) को लेकर जो वादे किए थे, उन्हें अपने काम के जरिए जमीन पर उतार कर दिखाया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि 'रिफॉर्म एक्सप्रेस ' ने भले ही बड़े स्तर पर प्रगति की है, लेकिन उनका स्वभाव इतनी जल्दी पूरी तरह संतुष्ट होने वाला नहीं है। भारत की विकास यात्रा में निजी क्षेत्र (प्राइवेट सेक्टर) को एक अहम भागीदार बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का अगला चरण इस बात पर काफी हद तक निर्भर करेगा कि निजी क्षेत्र नवाचार (इनोवेशन), लंबी अवधि की क्षमता निर्माण और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कितने साहस के साथ निवेश करता है। आर्थिक बदलाव के अगले चरण में निजी क्षेत्र की निर्णायक भूमिका पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कॉर्पोरेट जगत से एक मजबूत प्रतिक्रिया की उम्मीद जताई है।

'स्वार्थ नहीं, जुड़ाव ही समाज की पहचान', गोरखपुर में आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत ने दिया सद्भाव का मंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को गोरखपुर दौरे के दौरान एक सामाजिक सद्भाव सम्मेलन में भाग लिया। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया था। संघ सूत्रों के अनुसार, आरएसएस प्रमुख ने बाबा गंभीर नाथ सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव सम्मेलन में प्रमुख नागरिकों और स्वयंसेवकों को संबोधित किया। सम्मेलन से पहले, उन्होंने दीप प्रज्वलित करके संघ की 100 वर्षीय यात्रा और 'पंच परिवर्तन' विषय पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद, भगवत ने प्रदर्शनी का दौरा किया और संघ के शताब्दी वर्ष के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के गोरख प्रांत द्वारा संगठन की शताब्दी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में आयोजित 'सामाजिक सद्भाव' सम्मेलन को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से। उन्होंने कहा कि कई देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है। हमारे देश में मानवीय रिश्ते अपनेपन की भावना पर आधारित होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत सद्भावना और सामाजिक सद्भाव का वैश्विक केंद्र है।

'...गोली चलाने वालों से सम्मान की उम्मीद मूर्खता', राज्यपाल के अपमान पर सपा पर बरसे सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राज्य के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संबोधन के दौरान हंगामा करने के लिए समाजवादी पार्टी की कड़ी आलोचना की। विधान परिषद को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य विपक्षी दल का व्यवहार न केवल राज्य के संवैधानिक प्रमुख का अपमान है, बल्कि महिलाओं की गरिमा का भी अपमान है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राज्यपाल का संबोधन एक ऐसा दस्तावेज है जो सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना को रेखांकित करता है। उन्होंने आगे कहा कि इस संवैधानिक प्रक्रिया के दौरान मुख्य विपक्षी दल का आचरण अत्यंत निंदनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रमुख हैं। विपक्षी दल का इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पद के प्रति व्यवहार लोकतंत्र को कमजोर करता है... यह घोर अनादर की श्रेणी में आता है। विपक्ष की प्रकृति को देखते हुए, उनसे संवैधानिक प्रमुख का सम्मान करने की अपेक्षा करना मूर्खता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना और संवैधानिक प्रमुखों के प्रति आदर और सम्मान की भावना बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। हमें ऐसा कोई भी व्यवहार नहीं करना चाहिए जो देश की आने वाली पीढ़ियों को गलत दिशा में ले जाए... जब विपक्ष का ऐसा रवैया हो, तो उनसे ऐसे आचरण की अपेक्षा करना व्यर्थ है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने एक यात्रा शुरू की है... राष्ट्र और विश्व इस बात को स्वीकार करते हैं कि उत्तर प्रदेश में परिवर्तन आया है। दुर्भाग्य से, संकीर्ण एजेंडा चलाने वाली सरकारों ने राज्य के भविष्य और उसके लोगों से समझौता किया है। उन्होंने राज्य को अराजकता, अव्यवस्था और अपराध का गढ़ बना दिया है। दो इंजन वाली सरकार की स्पष्ट नीतियों, इरादों और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के कारण, हमने उत्तर प्रदेश को देश की अर्थव्यवस्था में एक बाधा से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि में बदल दिया है। उत्तर प्रदेश अब राजस्व घाटे से राजस्व अधिशेष की ओर बढ़ गया है।

हरियाणा के पलवल में मातम, 5 बच्चों समेत 12 की मौत, क्या दूषित पानी बन रहा है काल ?

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के पलवल जिले के चायंसा में 15 दिनों में पांच बच्चों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है, जिसके चलते दूषित पेयजल और संक्रामक रोगों के प्रसार को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जनवरी के अंत से फरवरी के मध्य तक हुई मौतें गंभीर यकृत संबंधी जटिलताओं से जुड़ी थीं। प्रारंभिक जांच में वायरल हेपेटाइटिस और पानी के संभावित संदूषण की ओर इशारा मिला है। 31 जनवरी को, चायंसा गांव में पीलिया से संबंधित मौतों की पहली रिपोर्ट दर्ज की गई, जिसकी आबादी 5,700 लोग और 865 परिवार हैं। एक दिन बाद ही त्वरित प्रतिक्रिया दल को तैनात किया गया। इसके बाद चिकित्सा शिविर, घर-घर सर्वेक्षण और ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की गई।

सात मौतें 27 जनवरी से 11 फरवरी के बीच हुईं। इनमें से चार मौतें तीव्र हेपेटाइटिस या लिवर फेलियर के कारण हुईं। मृतकों की आयु 9 से 65 वर्ष के बीच थी। बाद में रिपोर्ट की गई अन्य मौतों की समीक्षा की जा रही थी। अधिकांश रोगियों ने अपनी स्थिति बिगड़ने से पहले बुखार, पेट दर्द, उल्टी और पीलिया की शिकायत की थी।

मध्य प्रदेश के इंदौर में पिछले महीने जहरीले पानी से 16 लोगों की मौत के कुछ हफ्तों बाद इन मौतों की खबरें सामने आई हैं, जिससे पूरे देश में दूषित पेयजल को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पलवल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी सतिंदर वशिष्ठ ने बताया कि व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग और जांच चल रही है। उन्होंने कहा अब तक मृतक के करीबी संपर्कों सहित लगभग 1,500 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। लगभग 800 बाह्य रोगी परामर्श किए गए हैं और हेपेटाइटिस ए, बी, सी और ई के लिए रक्त के नमूनों की जांच की गई है। 210 लोगों के रक्त विश्लेषण में हेपेटाइटिस बी के दो और हेपेटाइटिस सी के नौ मामले सामने आए। हेपेटाइटिस ए और ई के सभी नमूनों की जांच नेगेटिव आई। स्क्रब टाइफस के परिणाम अभी प्रतीक्षित हैं। तीन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

अबू सलेम को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने सजा पूरी होने के दावे वाली याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 1993 मुंबई बम धमाकों के आरोपी और कुख्यात गैंगस्टर अबू सलेम की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है, जिसमें उसने खुद को तुरंत रिहा करने की मांग की थी। सलेम का दावा है कि वह 25 साल की सजा पूरी कर चुका है और पिछले 10 महीनों से उसे गैर-कानूनी हिरासत में रखा गया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सलेम के वकील से कहा कि वे इस मामले को बॉम्बे हाई कोर्ट में ही उठाएं। बेंच ने साफ किया कि हाई कोर्ट ने अभी सिर्फ अंतरिम राहत देने से मना किया है, इसलिए सलेम को वहीं जाकर अपनी अंतिम बहस पूरी करनी चाहिए। सलेम ने बॉम्बे हाई कोर्ट के जुलाई 2025 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कोर्ट ने कहा था कि प्रथम दृष्यता में उसकी 25 साल की सजा अभी पूरी नहीं हुई है।

पिछले कुछ वर्षों से उनका पार्टी से ; मणिशंकर अय्यर के बयान से क्या कहकर कांग्रेस ने किया किनारा, बहुत लंबी है बयानों की लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने एक बार फिर अपने बयान से पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। केरल को लेकर मणिशंकर अय्यर की ओर से दिया गया बयान ऐसे वक्त में आया है जब कांग्रेस केरल की सत्ता में वापसी करने की कोशिश कर रही है। कुछ ही समय बाद केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं। मणिशंकर अय्यर ने कहा कि पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री के रूप में बने रहेंगे। मणिशंकर अय्यर के बयान के कुछ ही समय बाद कांग्रेस ने इस बयान से पूरी तरह किनारा कर लिया। इतना ही नहीं कांग्रेस की ओर से कहा गया कि पिछले कुछ वर्षों से इस अनुभवी नेता का पार्टी से कोई संबंध नहीं है। हालांकि यह पहली बार नहीं है। इससे पूर्व भी वह बयानों से पार्टी को मुश्किल में डाल चुके हैं।

कांग्रेस ने मणिशंकर अय्यर के बयान से खुद को अलग कर लिया। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि पिछले कुछ वर्षों से इस अनुभवी नेता का पार्टी से कोई संबंध नहीं है और वह पूरी तरह से अपनी व्यक्तिगत क्षमता में बोलते और लिखते हैं। उनकी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से उनका कांग्रेस से कोई संबंध नहीं रहा है। वह पूरी तरह से अपनी निजी क्षमता से बोलते और लिखते हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने खेड़ा की पोस्ट को X पर टैग करते हुए कहा कि केरल की जनता अधिक जिम्मेदार और जवाबदेह शासन के लिए यूडीएफ को सत्ता में वापस लाएगी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने रविवार को भरोसा जताया कि माकपा नेता पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। विजन 2031: विकास और लोकतंत्र शीर्षक से आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में कहा कि पंचायती राज व्यवस्था में केरल के शीर्ष स्थान को कानूनी रूप से सुरक्षित करने के लिए आवश्यक संशोधन किए जाने चाहिए और इसके लिए सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि यह विडंबनापूर्ण लग सकता है कि इस लक्ष्य की दिशा में सबसे सराहनीय प्रगति करने वाला राज्य केरल है, जहां भारत की मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी का शासन है।

मुझे नहीं पता कि यह प्रशंसा है या अपमान, लेकिन मुझे इस अवसर पर अपने पार्टी सहयोगियों की अनुपस्थिति का गहरा अफसोस है क्योंकि यह एक सरकारी कार्यक्रम है और इसलिए एक राष्ट्रीय अवसर है। केरल निसंदेह पंचायती राज में भारत का अग्रणी राज्य है और इसने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की अपेक्षाओं को किसी भी अन्य राज्य की तुलना में कहीं अधिक पूरा किया है।

जमानत पर बाहर आएंगे राजपाल यादव, दिल्ली हाईकोर्ट से मिली राहत, चुकाने पड़े इतने करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। चेक बाउंस मामले में तिहाड़ जेल में बंद अभिनेता राजपाल यादव को आज दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अभिनेता की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता को 18 मार्च तक के लिए जमानत दे दी है। इससे पहले कोर्ट ने राजपाल यादव के वकील को अंतरिम जमानत के लिए दोपहर 3 बजे तक प्रतिवादी यानी जिस कंपनी से उधार लिया है उसके नाम पर 1.5 करोड़ रुपये जमा करने का आदेश दिया था। अभिनेता ने ऐसा कर दिया, जिसके बाद कोर्ट ने 18 मार्च तक के लिए अभिनेता को जमानत दे दी। अगली सुनवाई इसके बाद ही होगी।

1.5 करोड़ रुपए देने के बाद मिली जमानत

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने राजपाल यादव द्वारा शिकायतकर्ता को 1.5 करोड़ रुपये का भुगतान करने के बाद यह आदेश पारित किया। साथ ही यह भी बताया गया कि उनकी भतीजी की शादी 19 फरवरी को है। इसलिए उन्हें जमानत दी जाती है। मामले की अगली सुनवाई अब 18 मार्च को होगी। तब तक अभिनेता जेल से बाहर रहेंगे। ऐसे में साफ है कि अब अभिनेता अपने घर के कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे। साथ ही होली का त्योहार भी घर पर मना सकेंगे।

राजपाल के वकील की दलील पर कोर्ट की प्रतिक्रिया

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, राजपाल यादव के वकील ने अदालत को बताया कि अभिनेता बिना किसी शर्त के एफडीआर के जरिए 1.5 करोड़ रुपये जमा करने के लिए तैयार हैं। इस पर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने स्पष्ट किया, 'आप पहले से ही जानते हैं, यह एक डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) होना चाहिए। अदालत ने आगे दर्ज किया कि 25 लाख रुपये का डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) पहले से ही प्रतिवादियों के नाम पर है और 75 लाख रुपये का एक अतिरिक्त डिमांड ड्राफ्ट पहले ही जमा किया जा चुका है।

दोपहर तीन बजे तक का समय

दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजपाल यादव के वकील को अंतरिम जमानत की शर्त के रूप में प्रतिवादी को 1.5 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट प्रस्तुत करने के लिए आज दोपहर 3 बजे तक का समय दिया है। अदालत ने कहा, 'यदि आप इसे आज दोपहर 3 बजे तक जमा कर देते हैं, तो हम आपको रिहा कर देंगे। यदि नहीं, तो हम कल सुबह इस मामले पर सुनवाई करेंगे।'

अवैध संबंध के चलते प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या का आरोप

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित

» **एसपी चारु निगम ने घटना स्थल का किया निरीक्षण**

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के लंभुआ थाना क्षेत्र मदनपुर पनियार गांव में घर के अन्दर युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही एसपी चारु निगम सहित पुलिस के अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया।

बता दे कि मृतक अमित सिंह(35) पुत्र हरिनाम सिंह व दीपक सिंह दोनों ट्रक ड्राइवर थे। दोनो की दोस्ती के बीच दीपक सिंह की अमित सिंह पत्नी शिल्पी सिंह से भी संबंध की बात सामने आ रही है। रविवार को अमित और दीपक दोनों घर आए थे। बीती रात किसी बात को लेकर शिल्पी व उसके पति अमित के बीच विवाद हुआ और आरोप है कि पत्नी शिल्पी व दीपक सिंह ने धारदार हथियार से गले में मारकर अमित की हत्या कर दी। मृतक के भाई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। घटना की सूचना पर कोतवाल लंभुआ धीरज कुमार, एएसपी अखंड प्रताप सिंह व एसपी चारु निगम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। साथ फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर नमूने एकत्र किए। एसपी ने बताया कि आरोपी पत्नी को हिरासत में ले लिया गया है। दीपक सिंह की गिरफ्तारी के लिए चार टीमों का गठन किया गया। जिले की पुलिस सहित एसओजी की टीम उसकी सरगर्मी से तलाश कर रही है। मृतक के भाई के आने के बाद शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

राजकीय पॉलिटेक्निक में ज्ञानोत्सव–2026 का भव्य समापन

आर्यावर्त संवाददाता

कादीपुर/सुलतानपुर। चार दिनों तक तकनीकी प्रतिभा, सांस्कृतिक उमंग और खेल कौशल से सराबोर रहा राजकीय पॉलिटेक्निक कादीपुर, अखण्डनगर का परिसर ज्ञानोत्सव 2026 के भव्य समापन के साथ उल्लास और प्रेरणा के वातावरण में गूंज उठा। चार दिवसीय आयोजित इस महोत्सव ने विद्यार्थियों की बहुआयामी प्रतिभा को नया मंच प्रदान किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अभिलाष गुप्ता, प्रबंध निदेशक, इनोवेटिव कम्स जॉइंटली उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में वी.के. सिंह (संयुक्त निदेशक, सेंट्रल ज़ोन), रवि गुप्ता (निदेशक, पुष्पा टेक्नोसॉफ्ट प्रा. लि., लखनऊ) तथा अर्चना सुबोध (एएस ब्यूटी सैलून, आज़मगढ़) सहित नवाचार एंबेसडर एवं समाजसेवी शामिल रहे। कार्यक्रम में "बतासा चाचा" के नाम से प्रसिद्ध अभिनेता मनोज सिंह 'टाइगर' की उपस्थिति विशेष आकर्षण रही। 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय कर चुके मनोज सिंह ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सपनों को उड़ान देने के लिए मंच और मार्गदर्शन दोनों जरूरी हैं। उन्होंने अपनी अकादमी के माध्यम से इच्छुक विद्यार्थियों को निःशुल्क अभिनय प्रशिक्षण देने की घोषणा कर युवाओं को प्रेरित किया। उनके मधुर गायन ने समापन संध्या को यादगार बना दिया। समारोह में एआईसीसीईडीएस के संस्थापक, पूर्वांचल मालवीय के नाम से विख्यात स्वर्गीय प्रो. बजरंग त्रिपाठी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को स्मरण करते हुए दो मिनट का मौन रखा। ज्ञानोत्सव 2026 का प्रमुख आकर्षण "विकसित भारत 2047" की संकल्पना पर आधारित नवाचार प्रदर्शनी रही। निदेशक डॉ. सुबोध कांत सिंह के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट कृषि, डिजिटल ऑटोमेशन और ग्रामीण विकास से जुड़े मॉडल प्रस्तुत किए। अतिथियों ने इन परियोजनाओं को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सार्थक पहल बताया। चार दिवसीय आयोजन के दौरान तकनीकी प्रतियोगिताएं, प्रोजेक्ट प्रदर्शनी, खेल मुकाबले और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला ने वातावरण को उत्सवमय बनाए रखा। समापन संध्या में आदर्श मिश्रा और सुजाता यादव की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

श्रावस्ती। राजकीय बालिका इंटर कालेज में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के तहत पोस्टर और रोल प्ले प्रतियोगिता आयोजित की गयी। डायरिया के प्रति जागरूकता के लिए प्रिंसिपल एकता यादव की अध्यक्षता में आयोजित प्रतियोगिता में 41 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कक्षा-नौ की श्रद्धा पहले, सुनीता दूसरे और कक्षा -9 की ही गरिमा तीसरे स्थान पर रहीं। रोल प्ले में कक्षा-नौ की शिवांशी प्रथम, अनुपम द्वितीय व वैष्णवी तृतीय रहीं। प्रतियोगिता का आयोजन पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से छात्र-छात्राओं को डायरिया रोकथाम और प्रबन्धन के बारे में विस्तार से बताया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आर. के. एस. के.) की जिला समन्वयक बबीता ने बताया कि बच्चे को दिन में तीन बार से अधिक पतली दस्त हो, प्यास ज्यादा लगे और आँखें धंस गयी हों तो यह डायरिया के लक्षण हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे को जल्दी से जल्दी ओआरएस का घोल देना शुरू करें और तब तक इस घोल को देते रहें जब तक की दस्त ठीक न हो जाए। इसके साथ ही निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र से सम्पर्क करना चाहिए। इसके अलावा स्थानीय एएनएम या आशा दीदी के सहयोग से जिंक की गोली प्राप्त कर सकते हैं और उनके द्वारा बताये गए तरीके से 14 दिनों तक बच्चों को अवश्य दें। डायरिया की चपेट में कई कारणों से बच्चे आ सकते हैं, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए डायरिया से बचाव के लिए घर और आस-पास साफ-सफाई रखें। शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें।

ज्ञात हो कि 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम श्रावस्ती समेत प्रदेश के 13 जनपदों में चलाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इस मौके पर पीएसआई इंडिया से पंकज पाठक एवं रमेश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से शिक्षिका कल्पना देवी, सरोजा देवी, सालीया खातून, कुमारी गीता आदि मौजूद रहीं।

केश कुमारी कालेज का शैक्षिक एक्सपोजर विजिट हुआ सम्पन्न

सुल्तानपुर। पीएम श्री केश कुमारी राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, सुलतानपुर की 40 छात्राओं का शैक्षिक एक्सपोजर विजिट 11 फरवरी 2026 को प्रधानाचार्या पल्लवी सिंह एवं दो मार्गरक्षी शिक्षिकाओं डॉ दीपा द्विवेदी तथा अंजना सिंह के निर्देशन में सफलतापूर्वक रवाना हुआ था। यह शैक्षिक भ्रमण छात्राओं के सर्वांगीण विकास, व्यावहारिक ज्ञानार्जन एवं नवीन अनुभव प्राप्त करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस भ्रमण के दौरान छात्राओं ने पतंजलि योगपीठ विश्वविद्यालय हरिद्वार तथा आईआईटी रुड़की, उत्तराखंड का अवलोकन किया तथा विषय विशेषज्ञों से संवाद स्थापित कर अपने ज्ञान को समृद्ध किया। छात्राओं ने अनुशासन, उत्साह एवं जिज्ञासा का उत्कृष्ट परिचय दिया। 16 फरवरी 2026 को सभी छात्राएं, मार्गरक्षी शिक्षिकाएँ एवं प्रधानाचार्या सकुशल विद्यालय वापस लौटीं।

पति के साथ घर आता था दोस्त, पत्नी को हो गया प्यार... फिर कर डाला कांड! पत्नी की करतूत से पुलिस भी सन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में अवैध संबंधों के चलते एक बार फिर खून का खेल खेला गया। यहां लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के मदनपुर पनियार गांव में एक कलयुगी पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की बेरहमी से हत्या कर डाली। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पत्नी को हिरासत में ले लिया है। जबकि मुख्य आरोपी प्रेमी की तलाश में पुलिस की चार टीमें छापेमारी कर रही हैं।

मृतक अमित सिंह पेशे से ट्रक ड्राइवर थे और इसी गांव के निवासी थे। जानकारी के अनुसार, अमित का साथी दीपक भी ट्रक चलाने का काम करता था। अमित अपने दोस्त दीपक पर अटूट भरोसा करता था और इसी वजह से दीपक का अक्सर अमित के घर आना-जाना लगा रहता था। इसी मेल-जोल के दौरान अमित की पत्नी शिल्पी सिंह और दीपक के बीच प्रेम

संबंध बन गए।

परिजनों के अनुसार, जब शिल्पी और दीपक के संबंधों की जानकारी घर वालों को हुई, तो काफी विवाद हुआ था। उस समय दोनों को समझा-बुझाकर मामला शांत करवा दिया गया था। लेकिन दोनों के सिर पर इश्क का ऐसा भूत सवार था कि उन्होंने अमित को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। शनिवार को भी दीपक, अमित के घर आया हुआ था।

रात के सन्नाटे में वारदात को दिया अंजाम

पुलिस के मुताबिक, शनिवार देर रात जब अमित गहरी नींद में सो रहा था, तब दीपक और शिल्पी ने खौफनाक कदम उठाया। दीपक ने शिल्पी के साथ मिलकर सो रहे अमित पर किसी धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमला इतना घातक था कि अमित को संभलने तक का मौका नहीं मिला और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

पत्नी गिरफ्तार, प्रेमी की तलाश जारी

घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची लंभुआ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। सुल्तानपुर की पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फरार आरोपी दीपक की गिरफ्तारी के लिए चार विशेष टीमें गठित की हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

हज यात्रियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण व टीकाकरण शिविर सम्पन्न

सुल्तानपुर। खैराबाद में हज यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए सोमवार 16 फरवरी 2026 को विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर जाम-ए-अरबिया खैराबाद और जाम-ए-इस्लामिया खैराबाद परिसर में सम्पन्न हुआ। शिविर का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भारत भूषण ने किया। उन्होंने बताया कि हज यात्रा पर जाने वाले सभी यात्रियों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। साथ ही उन्हें क्वाड्रिवेलेंट मेनिंगोकोकल मेनिनजाइटिस, सीजनल इन्फ्लुएंजा तथा पोलियो वैक्सीन की आवश्यक खुराकें भी दी गईं। दोनों केंद्रों पर कुल 137 हज यात्रियों का टीकाकरण किया गया। शिविर का संचालन जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. संजय गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जाम-ए-इस्लामिया के प्रबंधक मौलाना उस्मान तथा जाम-ए-अरबिया के प्रबंधक मो. सलीम सेठ का विशेष सहयोग रहा।

नोएडा में 6 साल से क्यों खुला था 'मौत का तालाब'... डूब गया 3 साल का देवांश, जिम्मेदार कौन?

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा, जिसे हम उत्तर प्रदेश का 'शो-विंडो' और 'स्मार्ट सिटी' कहते हैं। जहां आसमान छूती इमारतें हैं और चौड़ी सड़कें हैं। लेकिन इसी स्मार्ट सिटी की चमक के ठीक नीचे, लापरवाही के वो खौफनाक अंधेरे गड्ढे हैं, जो अब मासूमों को निगलने लगे हैं। ग्रेटर नोएडा के दलेलगढ़ गांव से जो खबर आई है, वो सिर्फ एक हादसा नहीं बल्कि सिस्टम द्वारा की गई हत्या है। 3 साल का मासूम देवांश, जो अपनी मां के साथ नाना के घर खुशियां मनाने आया था, वो प्रशासन की अनदेखी की भेंट चढ़ गया। मंदिर के पास एक गड्ढा खोदा गया, उसकी मिट्टी बेची गई, वो पानी से भर गया, लेकिन उसे ढकने की जहमत किसी ने नहीं उठाई।

जो उम्र घुटनों के बल चलने और खिलौनों से खेलने की थी, उस उम्र में 3 साल का देवांश मौत के

'खूनी गड्ढे' का शिकार हो गया। ग्रेटर नोएडा के दलेलगढ़ गांव में पानी से लबालब गड्ढा कोई कुदरती तालाब नहीं... बल्कि सिस्टम की लापरवाही का वो 'डेथ ट्रैप' है जिसे खोदकर अधिकारी भूल गए। करीब 15 से 20 फीट गहरा ये गड्ढा आज से नहीं, बल्कि 6 साल पहले खोदा गया था।

...तो बच जाता देवांश

मिट्टी निकालने के नाम पर जमीन का सीना चीरा गया, लेकिन काम खत्म होने के बाद इसे भरना सिस्टम जरूरी नहीं समझा। पिछले 6 सालों से इस गड्ढे में लगातार पानी भरता रहा। ग्रामीण चीखते रहे, अधिकारियों के दरवाजे खटखटाते रहे कि इसे भर दो या कम से कम चारदीवारी ही बना दो, ताकि कोई हादसा न हो। लेकिन साहबों की फाइलें नहीं हिलीं। अगर वक्त रहते इस गड्ढे को ढक दिया जाता या फेंसिंग कर दी जाती, तो आज अंजलि की गोद नहीं उजड़ती और देवांश हमारे बीच होता।

कल युवराज था, आज देवांश...

नाम बदल गए, जगह बदल गई, तारीखें बदल गईं... लेकिन ग्रेटर नोएडा में मासूमों की मौत का 'पैटर्न' नहीं बदला। कल सेक्टर 150 का युवराज था, आज दलेलगढ़ का देवांश है। याद करिए सेक्टर 150 की वो घटना, जहां खुले गड्ढे ने युवराज को निगल लिया था। तब प्रशासन ने बड़े-बड़े दावे किए थे, जांच की कसमें खाई थीं और सुरक्षित शहर का वादा किया था। लेकिन वो दावे कितने खोखले थे, इसकी गवाही दलेलगढ़ का ये खूनी गड्ढा दे रहा है। यहां भी वही कहानी है, वही 15-20 फीट की गहराई, वही सिस्टम की खुदाई और वही मौत का खुला जाल। प्रशासन की फाइलें तब भी बंद थीं, और आज भी तभी खुलीं जब एक और चिराग बुझ गया। क्या ग्रेटर नोएडा का सिस्टम इतना संवेदनहीन हो चुका है कि उसे एक मौत से दूसरे मौत के बीच के सबक याद नहीं रहते?

देवांश की मौत, जिम्मेदार कौन?

सवाल सीधा है, जो गड्ढा 6 साल से मौत को दावत दे रहा था, उसे प्रशासन ने अनदेखा क्यों किया? क्या अब देवांश की मौत के बाद ही इस 'खूनी गड्ढे' को भरने की याद आएगी?

भंडारे में आया था मासूम

ग्रेटर नोएडा के दलेलगढ़ गांव में मंदिर के पास बने एक तालाब में डूबने से 3 साल के बच्चे की मौत हो गई। दरअसल, दलेलगढ़ गांव के रहने वाले अनिल की बेटी अंजलि कुछ दिन पहले अपने ससुराल सिकंदराबाद से अपने 3 साल के बेटे देवांश और बेटी के साथ मायके आई थी। रविवार को घर के पास मंदिर में भंडारा था, जिसमें वह बच्चों के साथ शामिल हुई थी। इसी दौरान देवांश मंदिर के पास बने तालाब में खेलते-खेलते चला गया, जहां उसका पैर फिसल गया और वह तालाब में डूब गया। बच्चा काफी देर तक नहीं मिला, इसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई। बच्चे के तालाब की तरफ जाने की आशंका पर पुलिस और प्रशासन की टीम ने रेस्क्यू किया, लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी।

4 जनवरी 2026 को की गई थी शिकायत

4 जनवरी 2026 को ग्राम दलेलगढ़ विकास समिति के ग्राम अध्यक्ष की ओर से गांव के आसपास बने गड्ढों को भरने और सड़कों के किनारे भरे पानी को हटाने की शिकायत भी दी गई थी। 14 फरवरी को दोपहर में हुए हादसे में मासूम की जान चली गई।

प्राधिकरण बोला- सरकारी तालाब नहीं...

दलेलगढ़ की घटना पर प्राधिकरण ने बयान जारी किया है कि गांव में मंदिर के पास एक गड्ढे में भरे पानी में डूबने से 3 साल के मासूम की मौत की सूचना मिली। इस पर संबंधित वर्क सर्कल की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम को पता चला कि यह जमीन गांव के ही एक किसान के नाम पर दर्ज है और यह सरकारी तालाब नहीं है। इसी जमीन पर गड्ढे में पानी भरा हुआ था, जिसमें डूबने से बच्चे की मौत हुई है।

'उसके लिए सबको भूला, आज वो मुझे ही छोड़कर चली गई...', अलीगढ़ में सास संग भागा दामाद अब रो रहा, सुनाई धोखे की कहानी, केस में नया ट्विस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। आज से ठीक 10 महीने पहले एक खबर ने पूरे देश में तहलका मचाकर रख दिया था। मामला ही कुछ ऐसा था। यहां अपनी शादी से ठीक 10 दिन पहले दूल्हा अपनी होने वाली सास के साथ भाग गया था। फिर दोनों वापस लौटे। पुलिस की मौजूदगी में बोले- हम दोनों प्यार करते हैं और साथ रहना चाहते हैं। अब ये केस एक बार फिर से सुर्खियों में तब आया जब महिला ने दामाद को भी धोखा दे दिया और अपने ही बहनोई के साथ भाग गई। दामाद और सास अब दोनों ही एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं।

दामाद राहुल का कहना है कि सास अनीता ने उस पर तंत्र-मंत्र से वशीकरण किया था। फिर 6 फरवरी को वो घर से लाखों रुपये और गहने लेकर अपने ही बहनोई के साथ भाग गई। राहुल ने एसएसपी कार्यालय

पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। राहुल के मुताबिक- मैं और अनीता पिछले 10 महीनों से बिहार के सीतामढ़ी में पति-पत्नी की तरह रह रहे थे। 6 फरवरी की सुबह 8:30 बजे मैं रोज की तरह काम (फेरी लगाने) पर निकला।

राहुल का दावा है कि उसके जाने के ठीक आधे घंटे बाद, सुबह 9 बजे अनीता अपने बहनोई देवेंद्र के साथ घर से निकल गई। राहुल के मुताबिक, अनीता अपने साथ 2 लाख रुपये नकद, एक सोने का मंगलसूत्र और दो अंगूठियां लेकर चंपत हो गई है।

तंत्र-मंत्र और वशीकरण का सनसनीखेज आरोप

एसएसपी कार्यालय पहुंचे राहुल ने एक और चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने आरोप लगाया कि अनीता ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसाने के लिए अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र का सहारा लिया था। राहुल का कहना है कि उसे जबरन ताबीज पहनाए गए और तंत्र-मंत्र के जरिए उसे मानसिक रूप से अपने वश में रखा गया। उसने पुलिस को बताया कि उसे योजनाबद्ध तरीके से फंसाया गया ताकि उसकी जमा-पूंजी और कीमती सामान पर हाथ साफ किया जा सके।

'ऐसी बुद्धि फिरी थी कि सबको भूल गया'

राहुल ने अपनी शिकायत में अनीता के चरित्र पर गंभीर सवाल उठाए हैं। राहुल का कहना है कि उसे अब अपनी गलती का अहसास हो रहा है। उसने आरोप लगाया कि अनीता की फितरत ही नए-नए संबंध बनाना है। राहुल बोला- मेरी ऐसी बुद्धि फिर गई थी कि मैं अपने घर वालों से भी दूर हो गया। मुझे सिर्फ वही दिखती थी। उसके अलावा मुझे कोई और दिखता ही नहीं था। मगर आज वो मुझे ही छोड़कर भाग गई। ऐसी औरतों के लिए क्या ही कहा जाए।

सास ने लगाया बंधक बनाकर रखने का आरोप

वहीं दूसरी ओर अनीता देवी ने भी दादों थाने में राहुल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उसने राहुल के सभी आरोपों को खारिज करते हुए उस पर बंधक बनाने, मारपीट करने और लड़की बेचने की कोशिश जैसे संगीन आरोप लगाए हैं। अनीता का दावा है कि राहुल ने उसके 4.50 लाख रुपये और आधा किलो चांदी हड़प ली है। अनीता अब इस रिश्ते को अपनी सबसे बड़ी गलती बता रही है।

पुलिसिया जांच में उलझा मामला

अलीगढ़ पुलिस के लिए यह मामला अब किसी पहेली से कम नहीं है। एसएसपी कार्यालय और स्थानीय थाने, दोनों जगहों पर एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर दी जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि यह मामला प्रेम, प्रताड़ना और आपसी विवाद का मिश्रण है। साक्ष्यों और बयानों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विश्व प्रसिद्ध साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ का चैथा टेड एक्स व्याख्यान बनी एक नई उपलब्धि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तीव्र विस्तार के इस दौर में जहाँ तकनीक उद्योगों को बदल रही है और सुरक्षा की परिभाषा को नया स्वरूप दे रही है, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ नितिन पांडे ने एक बार फिर डिजिटल सुरक्षा के भविष्य पर अपनी सशक्त बात रखी। 7 फरवरी 2026 को प्रो. मनुजता गुप्ता की टीम द्वारा आयोजित टेड एक्स बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी में उन्होंने अपना चैथा टेड एक्स व्याख्यान देकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत सफर का पड़ाव है, बल्कि वैश्विक साइबर सुरक्षा विमर्श में भारत की बढ़ती उपस्थिति का भी प्रतीक है। उनके व्याख्यान का विषय था आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बनाम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)। अपने संबोधन में उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य की साइबर सुरक्षा चुनौतियाँ केवल इंसान बनाम हैकर की लड़ाई नहीं रहेंगी, बल्कि यह एआई बनाम एआई की लड़ाई होगी, जहाँ आक्रामक एआई और रक्षात्मक एआई आमने-सामने होंगे। नितिन पांडे ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) स्वास्थ्य, रक्षा, ऑटोमोबाइल, औद्योगिक उत्पादन और व्यक्तिगत उत्पादकता जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। साथ ही उन्होंने इसके खतरों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि डीपफेक आधारित वित्तीय धोखाधड़ी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित फ़िशिंग अभियान, स्वयं को बदलने वाले मालवेयर और स्वचालित साइबर हमले आज वास्तविक खतरे बन चुके हैं।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं फरियादें, निवेश और शिक्षा से जुड़े मामलों में दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से स्वयं मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि लखनऊ आने से पहले वे अपनी समस्याओं को लेकर जनपद एवं मंडल स्तर पर तैनात अधिकारियों से अवश्य मिलें। वहां भी अधिकारी आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। यदि किसी कारणवश स्थानीय स्तर पर समाधान संभव न हो, तभी लखनऊ आकर अवगत कराएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हर पीड़ित की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है और अधिकारियों को जनपद स्तर पर ही प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

जनता दर्शन के दौरान कुछ उद्यमियों ने भी अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने सभी प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) और जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए सुदृढ़ और पारदर्शी इकोसिस्टम विकसित किया गया है, जिसमें सिंगल विंडो सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं लागू हैं। यदि किसी भी स्तर पर उद्यमियों को परेशानी होती है तो उसका प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए। निवेश और औद्योगिक विकास में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।कार्यक्रम में एक नागरिक ने बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य किए जाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने इस मांग पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल और शारीरिक गतिविधियां भी आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त अवैध कब्जों और पुलिस से जुड़े मामलों में भी अधिकारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जनता दर्शन के दौरान अभिभावकों के साथ आए बच्चों से मुख्यमंत्री ने आत्मीय संवाद भी किया। उन्होंने बच्चों से उनकी कक्षा के बारे में पूछा और उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने, खूब खेलने और निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बजट 2026-27 नवाचार और युवाओं के सपनों को समर्पित : योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के नाम 'योगी की पाती' लिखते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को नवाचार, तकनीकी प्रगति और युवा सशक्तिकरण का ऐतिहासिक दस्तावेज बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवनिर्माण के नौ वर्षों की यात्रा निरंतर प्रगति पथ पर गतिशील है और यह बजट प्रदेश की नई आकांक्षाओं को साकार करने का माध्यम बनेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य सरकार द्वारा स्टेट डेटा अथॉरिटी का गठन किया जाएगा। बजट में टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को विशेष प्राथमिकता दी गई है। एआई मिशन, एआई डेटा लैब और डेटा सेंटर क्लस्टर की स्थापना से उत्तर प्रदेश को वैश्विक तकनीकी केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।उन्होंने बताया कि 'टेक युवा-समर्थ युवा' योजना के अंतर्गत 25 लाख युवाओं को नई तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वे बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था के अनुरूप कौशल प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं के सपनों को आकार देने के साथ-साथ उन्हें साकार करने के लिए आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध करा रही है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एमएसएमई, ओडीओपी और स्टार्टअप को प्रोत्साहन देकर उत्तर प्रदेश को निवेश डेस्टिनेशन और रोजगार सृजन के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में लघु, कुटीर और सूक्ष्म उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसे बजट में विशेष बल दिया गया है।मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि मंडल मुख्यालयों पर स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित किए जाएंगे।

स्वच्छता और सिंगल यूज प्लास्टिक पर नगर निगम की सख्ती, दो जोनों में अभियान चलाकर जुर्माना वसूला

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने और सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर सोमवार को नगर निगम की टीमों ने विभिन्न जोनों में व्यापक अभियान चलाया। अभियान के दौरान गंदगी फैलाने वालों, प्रतिबंधित पॉलीथीन का उपयोग व भंडारण करने वालों तथा बिना लाइसेंस तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।जोन-03 में जोनल सेनेटरी अधिकारी मनोज यादव के नेतृत्व में सीतापुर रोड क्षेत्र में सघन अभियान चलाया गया। बाजार क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान गंदगी फैलाने पर 7 चालान कर 4,300 रुपये की वसूली की गई। प्रतिबंधित पॉलीथीन मिलने पर 3 चालान जारी कर 2,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। वहीं बिना लाइसेंस तंबाकू एवं तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों को लाइसेंस बनवाने के लिए निर्देशित किया गया तथा नियमों का उल्लंघन करने वाली 5 दुकानों पर 21,200 रुपये का स्पॉट फाइन लगाया गया। इस प्रकार कुल 15 चालानों के माध्यम से 27,500 रुपये की धनराशि नगर निगम कोष में जमा कराई गई। अभियान में सफाई एवं खाद्य निरीक्षक प्रमोद कुमार गौतम, सुमित मिश्रा, पुष्कर सिंह पटेल, अंकाक्षा गोस्वामी, प्रवर्तन दल-296 के कार्मिक और क्षेत्रीय सुपरवाइजर मौजूद रहे।

जोन-08 में सेक्टर-जी एवं सेक्टर-बी, बरगवां रोड क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाया गया। गंदगी फैलाने पर दुकानों और प्रतिष्ठानों से 2,000 रुपये का अर्थदंड मौके पर वसूला गया। प्रतिबंधित पॉलीथीन, प्लास्टिक एवं थर्माकोल के विक्रय व भंडारण पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। लगभग 12 दुकानों की जांच के दौरान करीब 1 किलोग्राम पॉलीथीन जब्त की गई। जोनल सेनेटरी अधिकारी जोन-08 जितेंद्र गांधी के नेतृत्व में चले अभियान में मो. नईम, मीरा राव, वीरभद्र सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

खदरा व्यापार मण्डल की 9 इकाइयों का गठन, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिलाई शपथ

लखनऊ। खदरा, सीतापुर रोड स्थित चुंगी क्षेत्र में 16 फरवरी 2026 को लखनऊ व्यापार मण्डल के परिक्षेत्र में 9 नई इकाइयों का गठन कर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक नीरज बोरा तथा लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने की, जबकि संचालन मुसव्विर अली उर्फ मंशू ने किया।समारोह की शुरुआत में मुख्य अतिथि का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। इसके बाद विशिष्ट अतिथियों को भी सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत 17 फरवरी को विधानसभा घेराव का ऐलान

कांग्रेस का आरोप—कार्यकर्ताओं को किया जा रहा हाउस अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का कहना है कि मनरेगा केवल एक रोजगार योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की समग्र आर्थिक प्रणाली को संचालित करने वाला आधार स्तंभ है, जिसने आय, अवसंरचना, कृषि, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा को मजबूती दी है। कांग्रेस का आरोप है कि मौजूदा केंद्र सरकार इस योजना को कमजोर करने का प्रयास कर रही है।कांग्रेस ने मनरेगा को बचाने के लिए देशव्यापी अभियान 'विशाल मनरेगा बचाओ संग्राम' शुरू किया है। इसके तहत विभिन्न राज्यों और जिलों में चौपाल, धरना-प्रदर्शन और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीणों को योजना के महत्व और कथित कटौतियों के प्रभाव से अवगत कराया जा सके।इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में 17 फरवरी को विधानसभा घेराव का ऐलान किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ लखनऊ में प्रदर्शन करने की घोषणा की है।कांग्रेस का आरोप है कि इस कार्यक्रम से घबराकर प्रदेश की सरकार पुलिस बल के माध्यम से कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को लखनऊ आने से रोक रही है। पार्टी का दावा है कि कई जिलों में एक दिन पहले से ही कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट किया जा रहा है, ताकि वे प्रस्तावित विधानसभा घेराव में शामिल न हो सकें।इस मामले में प्रशासन की ओर से अभी तक आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और मनरेगा को बचाने के लिए आंदोलन जारी रहेगा।

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान में प्रादेशिक प्रशिक्षण संवर्ग संगठन के पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में ग्राम विकास विभाग के समूह 'क', 'ख' एवं 'ग' श्रेणी के अधिकारियों/कर्मचारियों के प्रादेशिक प्रशिक्षण संवर्ग संगठन के पदाधिकारियों का चुनाव विधिवत सम्पन्न हुआ।चुनाव प्रक्रिया महानिदेशक एल वेंकटेश्वर लू के निर्देशानुसार, पूर्व अपर निदेशक बी डी चौधरी के संरक्षकत्व एवं अध्यक्षता में तथा अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के प्रशासनिक नियंत्रण में संपन्न कराई गई।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद डॉ. धीरेन्द्र कुमार यादव (उप निदेशक/आचार्य, क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, अयोध्या) को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उपाध्यक्ष पद पर डॉ. सन्तोष कुमार गुप्ता, महामंत्री पद पर डॉ. मनीष चन्द्रा (जिला प्रशिक्षण अधिकारी, लखीमपुर), कोषाध्यक्ष पद पर डॉ. सत्येन्द्र कुमार गुप्ता (सहायक निदेशक/यूपीएसआरएलएम राज्य स्तरीय प्रशिक्षण प्रकोष्ठ) तथा उप मंत्री पद पर दिलीप कुमार निर्वाचित हुए।इसके अतिरिक्त डॉ. विजय प्रताप यादव (प्रसार प्रशिक्षण अधिकारी) एवं डॉ. नवीन कुमार सिन्हा को सर्वसम्मति से निर्विरोध विशेष आमंत्रित सदस्य चुना गया।चुनाव संबंधी समस्त कार्यक्रम सेवा निवृत्त उप निदेशकों के गहन परीक्षण में सम्पन्न हुआ। आयोजन की व्यवस्थाओं में सहायक निदेशक राजीव कुमार दुबे एवं डॉ. राजकिशोर यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन को सशक्त बनाने तथा प्रशिक्षण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी करने का संकल्प व्यक्त किया।

खदरा में व्यापारी एकता का ऐतिहासिक प्रदर्शन : पहली बार 9 व्यापार मंडलों ने एक साथ ली शपथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ के खदरा क्षेत्र में रविवार को व्यापारी एकता का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला, जब लखनऊ व्यापार मंडल के तत्वावधान में पहली बार एक साथ 9 इकाइयों का गठन कर उनके पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। खदरा चुंगी, सीतापुर रोड पर आयोजित इस भव्य समारोह में हजारों व्यापारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक नीरज बोरा तथा महापौर सुषमा खर्कवाल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने की, जबकि संचालन संरक्षक एवं पार्षद मुसव्विर अली उर्फ मंशू ने किया।समारोह की शुरुआत अतिथियों के स्वागत और सम्मान से हुई। इसके बाद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने नवगठित 9 इकाइयों के अध्यक्षों, महामंत्रियों, मंत्रियों, सचिवों एवं अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। खदरा परिक्षेत्र के दीनदयाल नगर, छोटी पकरिया रोड, शिवनगर रोड, बड़ी पकरिया रोड, कर्बला रोड, अवध वाटिका रोड, सीतापुर रोड (पश्चिम), रामलीला ग्राउंड रोड और सीतापुर रोड (पूरब) क्षेत्रों में नई इकाइयों का गठन किया गया।अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापार मंडल समाज और अर्थव्यवस्था की रीढ़ है तथा प्रदेश सरकार व्यापारियों की सुरक्षा, सम्मान और सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक नीरज बोरा ने व्यापारियों से क्षेत्रीय विकास में सहयोग की अपील की, जबकि महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर निगम की ओर से स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने का आश्वासन दिया।अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि संगठित व्यापारी समाज ही शासन-प्रशासन तक अपनी आवाज प्रभावी ढंग से पहुँचा सकता है। संरक्षक मुसव्विर अली उर्फ मंशू ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि सड़क, सफाई, सुरक्षा और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे।हजारों व्यापारियों की मौजूदगी में आयोजित यह समारोह खदरा क्षेत्र में व्यापारी एकजुटता और संगठनात्मक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

• संक्षेप •

ग्राम बस्तौली में 7 करोड़ की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त, नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई की गई। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देशन तथा अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के निर्देशानुसार ग्राम बस्तौली, तहसील सदर, जिला लखनऊ स्थित शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बस्तौली की गाटा संख्या-99, क्षेत्रफल 0.177 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है और यह नगर निगम के अधीन शासकीय भूमि है। आरोप है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा इस भूमि पर अवैध रूप से बाउंड्रीवाल निर्माण कर प्लॉटिंग और व्यावसायिक उपयोग का प्रयास किया जा रहा था। इससे सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचने के साथ-साथ सार्वजनिक उपयोग की भूमि के स्वरूप में परिवर्तन की आशंका भी उत्पन्न हो गई थी।नगर निगम को प्राप्त शिकायतों और जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया। सहायक नगर आयुक्त एवं प्रभारी अधिकारी (सम्पत्ति) रामेश्वर प्रसाद तथा तहसीलदार नगर निगम अरविन्द पाण्डेय ने संयुक्त रूप से टीम गठित की। टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को चिह्नित किया और जेसीबी मशीन की सहायता से बाउंड्रीवाल व अन्य अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया।पूरी कार्रवाई का नेतृत्व नायब तहसीलदार नगर निगम राजेन्द्र कुमार ने किया। अभियान के दौरान लेखपाल विनोद कुमार वर्मा, कविता तिवारी और संजू मौर्या मौजूद रहे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना गाजीपुर से पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। साथ ही नगर निगम प्रवर्तन दल (ईटीएफ) की टीम भी मौके पर मौजूद रही, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकी।नगर निगम अधिकारियों के अनुसार इस अभियान में लगभग 0.100 हेक्टेयर बेशकीमती भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है। मुक्त कराई गई भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 7 करोड़ रुपये आंका गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बीएचयू में पालि व बौद्ध अध्ययन पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 17 से

लखनऊ। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के पालि एवं बौद्ध अध्ययन विभाग की ओर से 17 से 19 फरवरी 2026 तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग और तोयो विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। सम्मेलन का उद्देश्य पालि साहित्य, बौद्ध दर्शन, त्रिपिटक अध्ययन, विभिन्न बौद्ध परंपराओं के तुलनात्मक विश्लेषण, बौद्ध संस्कृति एवं विरासत, पांडुलिपि विज्ञान तथा समकालीन संदर्भ में बौद्ध चिंतन की प्रासंगिकता जैसे विषयों पर गंभीर विमर्श करना है। तीन दिनों में कुल 80 चयनित शोध-पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।सम्मेलन में म्यांमार, कोरिया, श्रीलंका, नेपाल, कंबोडिया, जापान, थाईलैंड और वियतनाम सहित कई देशों के विद्वान, शोधकर्ता और विषय विशेषज्ञ भाग लेंगे। तकनीकी सत्रों में पालि त्रिपिटक, अट्ठकथा परंपरा, बौद्ध तर्कशास्त्र, थेरवाद और महायान दर्शन, तुलनात्मक बौद्ध अध्ययन तथा अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संवाद जैसे विविध विषयों पर विचार-विमर्श होगा।17 फरवरी को आयोजित उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. सिद्धार्थ सिंह, कुलपति, नव नालंदा महाविहार होंगे। सत्र की अध्यक्षता अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध कनफेडरेशन के अध्यक्ष प्रो. रवींद्र पंथ करेंगे। संरक्षिका के रूप में सुषमा घिल्दियाल उपस्थित रहेंगी, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. केंजी ताकाहाशी, तोयो विश्वविद्यालय, टोक्यो (जापान) अपने विचार साझा करेंगे।19 फरवरी को होने वाले समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. उमा शंकर व्यास, पूर्व निदेशक, नव नालंदा महाविहार करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. राजेश रंजन, कुलपति, केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. तोमोयोकी यामाहाता, होक्काइदो विश्वविद्यालय तथा डॉ. के. सिरी सुमेध थेरो, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के सदस्य मौजूद रहेंगे। समापन सत्र में सम्मेलन की संस्तुतियां प्रस्तुत की जाएंगी और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बौद्ध शोध

बंद मकानों की रेकी कर चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गैंग के चार शातिर गिरफ्तार, लाखों के जेवर व नगदी बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन अंतर्गत थाना पीजीआई एवं सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने बंद पड़े मकानों की रेकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतर्राज्यीय गैंग के चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। अभियुक्तों को वृंदावन गेट के आगे सब्जी मंडी के पास से पकड़ा गया। गिरफ्तारी के दौरान उनके कब्जे से चोरी की एक एयरगन (रायफल), कुल 42,362 रुपये नगद तथा भारी मात्रा में पीली व सफेद धातु के आभूषण, चार हाथ घड़ियां और दो मोतियों की मालाएं बरामद की गईं। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी द्वारा गिरफ्तारी करने वाली टीम को 15,000 रुपये के पुरस्कार की घोषणा की गई है।पुलिस के अनुसार 6 फरवरी 2026 को जानकीपुरम विस्तार निवासी विवेक मोहन ने थाना पीजीआई में लिखित तहरीर दी थी कि उनके रिश्तेदार अभय नाथ मिश्रा 2 फरवरी को एक शादी समारोह में गए थे। 6 फरवरी को वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि सेक्टर-03, एल्डिको उद्यान-II स्थित उनके मकान संख्या-141 में 2 से 6 फरवरी के बीच अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ताला तोड़कर चोरी की गई है। तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0-80/2026 धारा 305(a) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई।

घटना के अनावरण हेतु पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया, जिसमें सर्विलांस सेल को भी लगाया गया। लगभग 350 सीसीटीवी फुटेज, मैनुअल व तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया और चोरी का शत-प्रतिशत माल बरामद कर लिया गया।पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे आपस में मित्र हैं। सोनू सिंह और शक्तिमान सिंह पहले बंद पड़े मकानों की रेकी करते थे। जब यह सुनिश्चित हो जाता था कि मकान कई दिनों से खाली है, तो रात में लोहे की सरिया से ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देते थे और फरार हो जाते थे। 4/5 फरवरी 2026 की रात को भी इसी तरीके से वारदात की गई थी।गिरफ्तार अभियुक्तों में सोनू सिंह निवासी हाल पता नादरगंज, मूल निवासी कैमूर (बिहार), शक्तिमान सिंह निवासी नादरगंज, मूल निवासी कैमूर (बिहार), सोनू कुमार साह उर्फ सोनू पहाड़ी निवासी सारन (छपरा) बिहार तथा बृजेश निषाद निवासी नादरगंज, मूल निवासी फतेहपुर शामिल हैं। इनमें से कुछ अभियुक्त पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट और चोरी के कई मामलों में जेल जा चुके हैं।

इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 पर वर्किंग ग्रुप को लेकर बिजली इंजीनियरों की आपत्ति

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 के ड्राफ्ट को अंतिम रूप देने हेतु गठित वर्किंग ग्रुप पर गंभीर आपत्ति दर्ज की है। फेडरेशन ने चेतावनी दी है कि यदि वर्किंग ग्रुप की रिपोर्ट के आधार पर बिल को संसद में पेश करने का प्रयास किया गया तो देशभर में व्यापक आंदोलन किया जाएगा।फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि 30 जनवरी 2026 को केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने एक आदेश जारी कर वर्किंग ग्रुप का गठन किया है। आदेश के अनुसार, समूह को मात्र 14 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। फेडरेशन का कहना है कि इतने व्यापक प्रभाव वाले विधेयक के लिए इतनी कम समय-सीमा तय करना जल्दबाजी को दर्शाता है।फेडरेशन ने इस बात पर भी आपत्ति जताई है कि वर्किंग ग्रुप में ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल को शामिल किया गया है। संगठन के अनुसार यह संस्था सोसाइटी एक्ट के तहत पंजीकृत एक निजी निकाय है और इसके कई पदाधिकारी वितरण क्षेत्र के निजीकरण की सार्वजनिक रूप से वकालत करते रहे हैं। नवंबर 2025 में आयोजित एक बैठक में भी डिस्कॉम के घाटे से उबरने के लिए निजीकरण को प्रमुख उपाय बताया गया था।फेडरेशन ने यह भी उल्लेख किया कि डिस्कॉम संगठन के महामंत्री आशीष गोयल हैं, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष हैं। फेडरेशन के अनुसार, पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण की प्रक्रिया को लेकर भी कर्मचारियों में आशंकाएं बनी हुई हैं।

एआई इम्पैक्ट सम्मिट 2026 के नीतिगत– समूहगत वैश्विक मायने

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में 16-20 फरवरी 2026 को आयोजित एक प्रमुख वैश्विक आयोजन है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के जिम्मेदार और समावेशी विकास पर केंद्रित है। यह समिट ग्लोबल साउथ के लिए पहला बड़ा AI शिखर सम्मेलन है, जो 100+ देशों से 35,000+ प्रतिनिधियों को एकजुट कर रहा है। देखा जाए तो यह समिट इंडियाAI मिशन के तहत आयोजित हो रहा है, जिसमें राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, उद्योग नेता, शोधकर्ता और सिविल सोसाइटी शामिल होंगे।

वास्तव में यह आयोजन UK AI Safety Summit, Seoul AI Summit जैसे पूर्व आयोजनों की निरंतरता में वैश्विक AI सहयोग को मजबूत करेगा। जिसका मुख्य थीम 'पीपुल, प्लैनेट, प्रोग्रेस' है। ये नीतियों को व्यावहारिक प्रभाव में बदलने पर जोर देता है। इस समिट का वैश्विक महत्व यह है कि AI इम्पैक्ट समिट AI के लोकतंत्रीकरण पर फोकस करता है, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संसाधनों को सुलभ बनाने हेतु सक्रिय किया गया है। वहीं, भारत की पूरक नवाचार क्षमता ग्लोबल AI नेतृत्व स्थापित करने में मदद करेगी, साथ ही जिम्मेदार AI शासन के मानकों को आकार देगी। इसमें 16 देशों के राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी आर्थिक कूटनीति और विकासशील राष्ट्रों की आवाज को मजबूत करेगी। इसकी प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं जो डेमोक्रेटाइजिंग AI रिसोर्सेज वर्किंग ग्रुप (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष) सार्वजनिक AI संसाधनों को किफायती बनाने पर काम कर रहा है।

जहां तक इसके वैश्विक प्रभाव की बात है तो इससे जुड़ीं चुनौतियां समावेशी AI नवाचारों को प्रोत्साहित करेंगी। लिहाजा यह समिट AI को आर्थिक-रणनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित कर वैश्विक विभाजन को पाटेगा। दरअसल, एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का मुख्य एजेंडा एआई को जिम्मेदार, समावेशी और प्रभावी बनाने पर केंद्रित है, जो तीन सूत्रों—लोग (People), ग्रह (Planet), और प्रगति (Progress)—पर आधारित है। यह एजेंडा एक्शन से इंपैक्ट की ओर बढ़ने पर जोर देता है, जिसमें नीतियों को व्यावहारिक बदलावों में बदलना शामिल है। इस आयोजन का मुख्य सूत्र ,निम्नवत हैः- पहला, लोग (People) यानी एआई का समावेशी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय में उपयोग। दूसरा, ग्रह (Planet) यानी पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से लड़ाई और सतत विकास। और तीसरा, प्रगति (Progress) यानी आर्थिक विकास, उत्पादकता वृद्धि और नवाचार को बढ़ावा। इसके दृष्टिगत ही प्रमुख सत्र और चक्र को निर्धारित किया गया है।

एआई इम्पैक्ट समिट को सात 'चक्रों' (फोकस एरियाज) में बांटा गया है, जो कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं और उच्च-स्तरीय बैठकों के रूप में आयोजित होंगे। पहला, डेमोक्रेटाइजिंग AI रिसोर्सेज यानी सार्वजनिक AI संसाधनों को किफायती बनाना (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष)। दूसरा, वैश्विक प्रभाव चुनौतियां यानी समावेशी AI नवाचारों को प्रोत्साहन। तीसरा, अन्य सत्र जैसे वैज्ञानिक शोध में AI (डॉ. अर्चना शर्मा जैसे विशेषज्ञ), उद्योग नेताओं के साथ नीति चर्चा, और टेक दिग्गजों की भागीदारी। जहां तक इसके अपेक्षित परिणाम की बात है तो ये सत्र 100+ देशों के नेताओं, वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों को जोड़कर वैश्विक AI शासन के मानक स्थापित करेंगे। यह समिट 16-20 फरवरी को नई दिल्ली में चल रहा है, जो ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को मजबूत करेगा। दरअसल एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से अपेक्षित प्रमुख परिणाम जिम्मेदार AI के वैश्विक मानकों को मजबूत करना और ग्लोबल साउथ के लिए समावेशी विकास को बढ़ावा देना हैं। यह समिट मापने योग्य प्रभावों पर केंद्रित है, जैसे AI संसाधनों का लोकतंत्रीकरण और नीतिगत सहमति। इस दौरान नीतिगत समझौते भी होंगे।

इस समिट से AI शासन के लिए सात कार्य समूहों (चक्रों) के माध्यम से ठोस प्रतिबद्धताएं अपेक्षित हैं, जिनमें डेमोक्रेटाइजिंग AI रिसोर्सेज और सुरक्षित AI पर फोकस शामिल है। वास्तव में ये समझौते स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा जैसे क्षेत्रों में AI अनुप्रयोगों का विस्तार सुनिश्चित करेंगे। जहां तक इसके आर्थिक-सामाजिक प्रभाव की बात है तो वैश्विक दक्षिण में कौशल विकास, सतत AI समाधान और समावेशी नवाचारों को प्रोत्साहन मिलेगा, जो असमानताओं को कम करेगा। भारत के नेतृत्व में 100+ देशों की भागीदारी से आर्थिक कूटनीति मजबूत होगी। इसके दीर्घकालिक परिणाम भी सकारात्मक मिलेंगे। वास्तव में यह समिट AI एक्शन प्लान और अगले वैश्विक शिखरों की नींव रखेगा, जो पर्यावरण संरक्षण (Planet) और प्रगति (Progress) को जोड़ेगा। कुल मिलाकर, यह AI को व्यापक लाभ पहुंचाने वाली तकनीक के रूप में स्थापित करेगा।

योगी सरकार ने प्रस्तुत किया समग्र विकास का बजट

यूपी के बजट में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की छाप दिख रही है। योगी सरकार का चुनावी वर्ष के पूर्व का यह बजट प्रदेश को समस्त क्षेत्र में विकसित बनाने का आश्वासन देने वाला बजट है

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 2027 में संभावित विधानसभा चुनावों से पूर्व 9 लाख करोड़ रु का अब तक का सबसे बड़ा बजट विधानसभा में प्रस्तुत किया है। सत्तापक्ष, विशेषज्ञ और मीडिया भी इस बजट की सराहना कर रहे हैं। परंपरागत रूप से विपक्ष इसकी आलोचना करते हुए इसे योगी सरकार का अंतिम बजट कह रहा है। योगीराज के इस बजट का आकार भारत के पड़ोसी राष्ट्रों पाकिस्तान और बांग्लादेश के बजट से भी कई गुना बड़ा है। यूपी में योगी बजट की एक और विशेष बात है कि किसी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लगातार 10वां बजट पेश हुआ हो ऐसा पहली बार हुआ है। अभी तक किसी भी मुख्यमंत्री को लगातार इतने बजट प्रस्तुत करने का सौभाग्य नहीं प्राप्त हुआ है।

यूपी के बजट में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की छाप दिख रही है। योगी सरकार का चुनावी वर्ष के पूर्व का यह बजट प्रदेश को समस्त क्षेत्र में विकसित बनाने का आश्वासन देने वाला बजट है, समाज को संतुष्टि प्रदान करने वाला बजटहै । बजट में समाज के चार स्तंभों युवा, किसान, गरीब व महिलाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। बजट में सुशिक्षित समाज, स्वस्थ समाज, नारी सशक्तीकरण ,जल सरंक्षण, पर्यावरण संरक्षण पर पर्याप्त धन आबंटित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि यह बजट नारी शक्ति, युवावर्ग, किसान, तथा वंचित वर्ग के उत्थान व खुशहाली को समर्पित है। यह विश्वस्तरीय अवस्थापना सुविधाएं, उत्कृष्ट निवेश का वतावरण, नारी समृद्धि के लिए अभूतपूर्व प्रयास, युवाओं को अद्वितीय अवसर, तकनीक संग रोजगार सृजन वाला बहुआयामी बजट है। योगी सरकार प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और यह बजट उसका प्रमाण है।

सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट होने के बाड भी बजट में राजकोषीय अनुशासन पर बल दिया गया है और आधुनिकता पर भी ध्यान दिया गया है। सरकार लगातार बजट का आकार बड़ा करके प्रदेश के आर्थिक उन्नयन के लिए नई रणनीतियों के साथ अपनी व्यूह रचना को आगे बढ़ा रही है। महत्वपूर्ण बात है कि आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र के बजट में 76 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, कृषि के लिए 20 प्रतिशत सिंचाई एवं जल संसाधन के लिए विगत वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था की गई है। ग्राम पंचायतों के लिए भी सरकार ने खजाना खोल दिया है और इस बार उनके लिए बजट में 67 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

प्रदेश में विधानसभा चुनावों से पूर्व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव भी संभावित हैं जिनके कारण सरकार ने नई मांगो के अनुरूप सबसे अधिक 10,695 करोड़ रु की धनराशि पंचायती राज विभाग को आवंटित की है। इस वर्ष के बजट में कई नए क्षेत्रों का सृजन किया गया है व धन आवंटित कर उन्हे पोषित करने का प्रयास किया गया है। एआई तकनीक तथा डाटा सेंटर के साथ औद्योगिक विकास पर बल दिया गया है। एमएसएमई पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हर बार की तरह एक्सप्रेस वे योजनाओं को भी धन आवंटित कर विकास की गंगा बहाने पर ध्यान दिया गया है। बजट में "एक जिला एक उत्पाद" व "एक जिला एक व्यंजन" जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई हैं। विकास को गति देने के लिए हर जिले व क्षेत्र का ध्यान रखा गया है।

पर्यटन के माध्यम से भी प्रदेश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने व युवाओं के लिए नये रोजगार सृजन पर बल दिया गया है। बजट को लेकर सरकारी पक्ष का जोरदार दावा है कि नए बजट से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया है। बजट के माध्यम से सरकार ने किसानों को साधने के लिए बजट में बीज से बाजार तक की विस्तृत योजना के साथ धन का खजाना खोल दिया है। सरकार का जोर फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता पर तो है ही साथ ही वो किसानों को उद्यम, प्रसंस्करण और बाजार से भी जोड़ना चाहती है। प्रदेश के बजट में पशुधन एवं दुग्ध विकास को भी स्थान देते हुए निराश्रित गोवंश के लिए व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 220 नई दुग्ध समितियां गठित करने की घोषणा की गई है। विकास कार्यों के लिए बजट में 19.5 प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है जो आधारभूत ढांचे, औद्योगिक विकास, सड़क, ऊर्जा और शहरी ग्रामीण अधोसंरचना को गति प्रदान करेगा, इससे सम्बंधित 43.5 हजार करोड़ रु की नई योजनाएं बजट में आवंटित की गई हैं।

बजट में बताया गया है कि प्रदेश में हो रहे बदलावों के अनुसार किस प्रकार राजस्व जुटाने में एआई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश, देश में आबकारी निर्यात नीति तैयार करने वाला पहला राज्य बना है । देश के मोबाइल निर्माण सेक्टर में 65 प्रतिशत मोबाइल यूपी में बन रहे हैं। 44.74 हजार करोड़ के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात से यूपी देश की ताकत बन चुका है। भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार तहसीलों के लिए योजना बनाई गई है और शिक्षा पर खर्च बढ़ाया गया है। योगी सरकार ने इस बजट में भाजपा शासित अन्य राज्यों की कई अच्छी विकास योजनाओं को भी समाहित करने का सफल प्रयास किया है, जिसमें राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कूटी योजना एक प्रमुख उदाहरण है। प्रदेश के लघु उद्यमी बजट से खुश नजर आ रहे हैं। उद्योगपतियों का कहना है कि बजट में हस्तकरघा और अन्य योजनाओं को काफी धन मिला है। महिलाएं व युवा भी बजट का अपने अपने अनुसार स्वागत कर रहे हैं । बजट से कोई निराश दिख रहा है तो वो विरोधी दल ही हैं।

टिप्पणी

शंकराचार्य मुद्दे पर सरकार का समर्थन

जिस समय मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू हुई या जिस समय अयोध्या का आंदोलन चला और साधु, संतों पर गोलियां चलीं उस समय सोशल मीडिया नहीं था, निजी टेलीविजन चैनल नहीं थे और अखबारों की पहुंच भी सीमित थी। इसलिए जिनको लड़ना पड़ा, सड़क पर उतर कर लड़ना पड़ा। आज मीडिया और सोशल मीडिया के जमाने में वही लड़ाई नैरेटिव के स्तर पो रही है। अगर इस फैक्टर को विश्लेषण में शामिल करें तो कह सकते हैं कि यूजीसी के नए नियमों और प्रयागराज के कुंभ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुए बरताव पर वैसी ही या उससे ज्यादा प्रतिक्रिया हुई है, जैसी नब्बे के दशक में मंडल और कमंडल को लेकर हुई थी। उस समय प्रतिक्रिया सड़क पर दिख रही थी, जबकि अभी हर घर के ड्राइंगरूम में दिखी है। हर स्मार्टफोन और टेलीविजन सेट इस लड़ाई का अखाड़ा बना।

इन दोनों मुद्दों को लेकर वास्तविक यानी सड़क पर उतर कर भी लड़ाई हुई लेकिन ज्यादा बड़ी लडाई आभासी यानी वर्चुअल थी। उसको देखें तो कई बातें दिखती हैं। कई लोगों का मानना है कि यह सिर्फ संयोग है कि शंकराचार्य की घटना और यूजीसी के नियम एक ही समय में आए। वे इसको भी संयोग मान रहे हैं कि माघ मेले में शंकराचार्य पालकी लेकर गए, जिस पर टकराव हो गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी आदत के मुताबिक अड़ गए, जिससे विवाद आगे बढ़ गया। ऐसे ही यूजीसी के नियम भी संयोग हैं। जान बूझकर जारी नहीं किए गए। यूजीसी के नियम पर सुप्रीम कोर्ट की रोक और शंकराचार्य को मना कर पूर्णिमा के दिन स्नान के लिए माघ मेले में लाने की खबर से इन घटनाओं को संयोग मानने वाले संतुष्ट हुए हैं।

एक दूसरी धारणा इनको प्रयोग मानने की है। माना जा रहा है कि ब्राह्मणवादी हिंदुत्व को कमजोर करने और बहुजन आधारित हिंदुत्व को मजबूत करने के प्रयोग के तौर पर ये दोनों काम हुए हैं। हिंदुत्व का चेहरा तो नरेंद्र मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ है ही। अब इन्होंने कुछ ऐसा किया है, जिससे इधर उधर भाग रही पिछड़े, दलित और आदिवासियों को इनके चेहरे के ईर्द गिर्द गोलबंद किया जाए। अगडों को निशाना बना कर यह काम किया गया है। यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा मान रही है कि अगड़ी जातियों के लोग मजबूरी में उसको वोट करेंगे इसलिए उनकी ज्यादा परवाह करने की जरुरत नहीं है। ध्यान रहे शंकराचार्य का पद ही ऐसा है, जो वेदपाठी, संस्कृत जानने वाले ब्राह्मण के लिए होता है।

शंकराचार्य ही शंकराचार्य नियुक्त करते हैं। बाकी कथावाचक कोई भी बन सकता है और महामंडलेश्वर का क्या है वह तो हिंदी सिनेमा की एक अभिनेत्री भी बन गई थी, जिसको अब हटाए जाने की खबर है। तभी चारों शंकराचार्यों के अलावा जितने भी कथावाचक, महामंडलेश्वर, योग गुरू, मठ, साधु, संत, मठ व धाम बनाने वाले लोग हैं उनमें से ज्यादातर ने शंकराचार्य वाले मुद्दे पर सरकार का समर्थन किया। वे शंकराचार्य को ही दोषी ठहराते रहे। रामदेव से लेकर रामभद्राचार्य तक ज्यादातर ने शंकराचार्य की ही गलती निकाली। इसका कारण यह है कि शंकराचार्यों को सत्ता के संरक्षण की जरुरत नहीं होती है, जबकि बाकी सब को सत्ता के संरक्षण में फलना फूलना होता है। वे हिंदुओं को धर्म या अध्यात्म की ओर नहीं ले जाते हैं, बल्कि भक्त बना कर भाजपा के समर्थन की ओर ले जाते हैं।

ब्लॉग

आखिर सेवा तीर्थ से उपजते सियासी सवालों के जवाब कब तक मिलेंगे?

कमलेश पांडे

कहते हैं कि शब्द ब्रह्म है और हर शब्द अपने मंत्रमय भावमय अस्तित्व से आकार ग्रहण करते हुए देर-सबेर साकार होता है। इस दृष्टिकोण से दूरद्रष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नाम परिवर्तन' द्वारा जनमानस की सोच में बदलाव की जो मुहिम चलाई है, वह सुसंस्कृत भारत के निमित्त 'नाम/विचार परिवर्तन यात्रा' अनवरत रूप से जारी है। इसी कड़ी में हमारा 'गवर्नमेंट ऑफ भारत' अपने 'लोककल्याण मार्ग' (सेवन रेस कोर्स) व 'कर्तव्य पथ' (राजपथ) होते हुए अब 'सेवा तीर्थ' (पीएमओ) तक के अपने वैचारिक सफर को पूरा कर चुका है।

पहले नया संसद भवन और अब कर्तव्य भवन 1 और 2 इसकी बानगी भर हैं जबकि अन्य बदलाव भी प्रक्रियाधीन हैं और नाम-भवन परिवर्तन द्वारा, भाव परिवर्तन यात्रा गतिमान है। वास्तव में, यह नया बदलाव नया भारत यानी गवर्नमेंट ऑफ भारत (गवर्नमेंट ऑफ इंडिया) के मार्फ़त लिए हुए फैसलों में सिर्फ 'मिल का पत्थर' भर है, और विगत लगभग एक दशक में हमलोग ऐसे ही कुछेक महत्वपूर्ण मिल के पत्थरों को पार करते हुए इस अहम मुकाम तक चुके हैं।

देखा जाए तो अमृत भारत और विकसित भारत के दृष्टिगत ये नाम, विचार व भवन बदलाव यात्रा गतिमान है, जिसके नीति आयोग (योजना आयोग) जैसे अहम सियासी व प्रशासनिक मायने हैं। लिहाजा, विपक्ष इस आधुनातन सोच-समझ की आलोचना अपने तरीके से कर रहा है, लेकिन यहां हम मीडिया यानी चौथे स्तम्भ के नाते इस अहम निर्णय से जुड़े जनपक्ष को लेकर कुछ सवाल उठाएंगे और जवाब भी मिले, इसकी प्रतीक्षा करेंगे।

यह ठीक है कि प्रधानमंत्री कार्यालय का पता औपनिवेशिक दौर की साउथ ब्लॉक इमारत से बदलकर अब सेवा तीर्थ परिसर हो गया है। प्रधानमंत्री ने अपने नए ऑफिस से महिलाओं, किसानों और युवाओं से जुड़े कई अहम फैसले भी लिए। इससे मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, 'सेवा परमो धर्म की भावना ही नए सेवा तीर्थ परिसर की आत्मा है। यह केवल भवन नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण के संकल्प का प्रतीक है। आज का संकल्प और परिश्रम ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा। चूंकि शासन का केंद्र अब नागरिक हैं। इस भवन में लिया गया हर निर्णय 140 करोड़ देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से होना चाहिए।'

इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा कि 'आजादी के बाद नार्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक जैसी इमारतों से देश के लिए नीतियां बनीं, कई निर्णय हुए। यह भी सच है कि ये पुरानी इमारतें

ब्रिटिश हुकूमत का, गुलामी का प्रतीक थी। गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था। साल 2014 में देश ने यह तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है।'

यदि उनके नजरिए से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ जैसे लोकतांत्रिक तीर्थ के उद्घाटन के मौके पर यह कहकर बौद्धिक हलचल मचा दी है कि ₹पुरानी इमारतें ब्रिटिश हुकूमत का, गुलामी का प्रतीक थी। गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था। साल 2014 में देश ने यह तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है।'

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुलामी के किन-किन प्रतीकों को बदलेंगे और कब तक बदलेंगे? और क्या इसकी कोई समय सारणी तय हुई है या फिर इनमें भी वह ईसाइयों द्वारा निर्मित भवन को पहले और मुस्लिम शासकों द्वारा निर्मित भवन को बाद में बदलेंगे? क्योंकि बहुमत प्राप्ति के दृष्टिगत सियासत भी जरूरी है और गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति भी! क्योंकि भारत तो इस्लामिक आक्रमणकारियों और ईसाई कारोबारियों दोनों का 800 वर्षों तक गुलाम रहा है।

वहीं खास बात तो यह कि देश को गुलाम बनाए रखने का बौद्धिक हथियार यानी फूट डालो और शासन करो (डिवाइड एंड रूल) जैसे गुलामी मंत्र' जाति आधारित आरक्षण'और 'धर्म आधारित अल्पसंख्यक' वाले सोच को प्रधानमंत्री कब तक बदलेंगे? या फिर हिंदुओं व मुस्लिमों में कभी फूट डालने और कभी एक जुट करने के ये हथियार अकसर नया धार पाते रहेंगे?

साथ ही, मुगलिया दस्ता के प्रतीक और मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा निर्मित उस 'लालकिला' परिसर को कब तक बदलेंगे, जहां पर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री हर वर्ष राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फ़हराते हैं और राष्ट्रीय हित व जनहित से जुड़े अपने महत्वपूर्ण सम्बोधन देते आये हैं। जी हां, देशवासी पूरी राम कथा जानना चाहते हैं! क्योंकि कुछ तो उनके शागिर्दों के सियासी हथियार तक बन चुके हैं।

यह ठीक है कि राम मंदिर निर्माण (कथित बाबरी मस्जिद के भग्नावशेष पर) करके और नया संसद भवन व कर्तव्य भवन 1 और 2 (ब्रिटिश शासकों द्वारा निर्मित भवनों के बगल में या उनकी जगह पर) का निर्माण करके, जिसमें सेवा तीर्थ भी शामिल है, प्रधानमंत्री ने यादगार शुरुआत कर दी है, लेकिन आगे कहां तक, कब तक यह प्रक्रिया जारी रहेगी, लोगों में जानने की उत्सुकता है, क्योंकि गुलामी की दासता के ढेर से प्रतीक अब भी हमारे शासन प्रतिष्ठान और जनमानस को मुंह चिढ़ाते प्रतीत हो रहे हैं, जिन्हें अविलंब बदला जाना चाहिए।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पहले अपने नए पीएम ऑफिस 'सेवा तीर्थ' की शुरुआत की। फिर शाम को कर्तव्य भवन 1 और 2 का लोकार्पण किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल खट्टर और डॉ. जितेंद्र सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, प्रधान सचिव पी. के. मिश्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति भी रही, जिनकी अहम मौजूदगी में प्रधानमंत्री ने इन नवनिर्मित परिसरों का लोकार्पण किया।

अब यहां पर सरकार के कई बड़े दफ्तर और मंत्रालय एक ही जगह पर होंगे। चूंकि पहले ये दफ्तर अलग-अलग जगहों पर, पुराने भवनों में चलते थे। इसलिए काम में देरी होती थी, क्योंकि अफसरों को एक-दूसरे से मिलने में परेशानी होती थी और आम लोगों को भी अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब सेवा तीर्थ परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय एक साथ काम करेंगे। यानी देश के बड़े फैसलों से जुड़े दफ्तर एक ही जगह होगे, जिससे फैसले जल्दी होंगे और कामकाज में तालमेल बेहतर रहेगा।

यही नहीं, चूंकि कर्तव्य भवन-1 और 2 में कई अहम मंत्रालयो को जगह दी गई है। इनमें वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, कानून, सूचना एवं प्रसारण, संस्कृति, रसायन एवं उर्वरक, जनजातीय कार्य और कॉरपोरेट कार्य जैसे मंत्रालय शामिल है। इसका फायदा यह होगा कि लोगों को अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग जगह भटकना नहीं पड़ेगा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ के उद्घाटन के बाद महिलाओं, युवाओं, किसानों और कमजोर वर्गों के कल्याण से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलों पर हस्ताक्षर किए। उनके प्रमुख फैसले में पीएम राहत योजना के तहत दुर्घटना पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा, ताकि तत्काल चिकित्सा सहायता से जान बचाई जा सके। और लखपति दीदी लक्ष्य के अंतर्गत महिलाओं के लिए लक्ष्य को दोगुना कर 6 करोड़ करना, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना शामिल है।

वहीं अन्य निर्णय के तहत कृषि अवसंरचना निधि को दोगुना बढ़ाकर 2 लाख करोड़ रुपये करना, किसानों को मजबूत समर्थन देना शामिल है। जबकि स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को मंजूरी, युवाओं और उद्यमियों के लिए नई संभावनाएँ खोली जाएंगी। इस प्रकार ये फैसले सेवा तीर्थ के 'नागरिक देवो भव' मंत्र को साकार करते हैं, जो 12-13 फरवरी 2026 को लिए गए।

हालांकि कुछ आलोचक लोग तो यहां तक कह रहे हैं कि सेवा तीर्थ द्वारा अब आरक्षण जैसे मेवा का प्रसाद मुंह देखकर बांटा जाएगा और कथित सामाजिक न्याय आधारित हिंदुत्व के जयकारे चटखारे पूर्वक लगते रहें, इसके मुकम्मल इंतजाम किए जाएंगे। इस प्रकार यह एक नया राजनीतिक-सामाजिक तीर्थ बना दिया जाएगा। शायद भारत इसी कोशिश से विश्व गुरु बन जाये।

रिटायर्ड फौजी ने खेला खूनी खेल, पत्नी-बेटे की हत्या कर ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर में सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के तुलसियापुर गांव नई बस्ती में सोमवार सुबह रिटायर्ड फौजी ने पत्नी और बेटे की दोनाली बंदूक से गोली मारकर हत्या करने के बाद रेलवे ट्रैक में कटकर जान दे दी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

तुलसियपुर नई बस्ती निवासी फौजी चेतराम कुमार (52) ने मकान के अंदर पत्नी सुनीता (40) और बेटे दीप (16) को लाइसेंसी दोनाली बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी। घटना करने के बाद मेनगेट में बाहर से ताला बंदकर करीब दो किलोमीटर दूर कठोगर गांव के पास भाऊ पुर रेलवे ट्रैक में जाकर ट्रेन से कटकर जान दे दी।

घर पहुंचने पर दोहरे हत्याकांड की जानकारी

रेलवे ट्रैक पर युवक के शव मिलने की सूचना पर पुलिस शिनाख्त के लिए घर पहुंची। वहां पहुंचने पर घर के अंदर पत्नी और बेटे के शव मिलने से दोहरे हत्याकांड की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस ने फारेंसिक टीम बुलाकर घटनास्थल की जांच पड़ताल कर मौके से साक्ष्य इकठ्ठा किए।

पुलिस कर रही है कारणों की जांच

पुलिस ने दोनों को शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि पत्नी और बेटे की हत्या करने के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस पारिवारिक और जमीनी विवाद के साथ ही अन्य मामलों की जांच कर रही है।

बड़ा भाई बोला- वो हत्या नहीं कर सकते हैं

वहीं, मामले में बड़े भाई रामबाबू ने बताया कि भाई हत्या नहीं कर सकता, क्योंकि बेटे के कमर में रस्सी बांधी है। तीनों की हत्या हुई है, क्योंकि अभी एक बीघा खेत बेचकर आए थे। 12 लाख रुपया उनको मिला था। वो फौज में रह चुके हैं, कारगिल युद्ध लड़ चुके हैं। बहुत बहादुर थे, वह हत्या नहीं कर सकते हैं।

कानपुर कलेक्ट्रेट में हड़कंप : दो भाइयों ने किया आत्मदाह का प्रयास, जमीन पर कब्जे से थे परेशान, पुलिस ने बचाया

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर में सोमवार सुबह करीब 10 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में उस समय अफरातफरी मच गई, जब दो लोगों ने अपने ऊपर डीजल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को पकड़ लिया और उनके हाथ से डीजल की बोतल छुड़वा ली, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ में उनकी पहचान पदम सिंह और मोती सिंह के रूप में हुई है। दोनों नौबस्ता स्थित आवास विकास क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जबकि मूल रूप से कानपुर देहात के मैथा के निवासी भी हैं।

दोनों से पूछताछ कर रही है पुलिस

दोनों ने पुलिस को बताया कि नौबस्ता आवास विकास में उनकी जमीन पर कुछ दबंगों ने कब्जा कर लिया है। इस संबंध में उन्होंने कई बार अधिकारियों से शिकायत की और मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। आरोप है कि लगातार अनदेखी से परेशान होकर उन्होंने आत्मदाह जैसा कदम उठाने की कोशिश की। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

जनपद न्यायालय परिसर में मची अफरा-तफरी, दीवानी कचहरी को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ जनपद न्यायालय परिसर में 16 फरवरी उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक अति वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी को ईमेल के जरिए कचहरी को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली। इस धमकी भरे ईमेल के प्राप्त होते ही न्यायिक कार्य ठप हो गया और पूरे दीवानी परिसर में हड़कंप मच गया। पूरा परिसर सुरक्षा बलों ने खाली कराया और उसकी सघन तलाशी शुरू कर दी है।

धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। आनन-फानन में कई थानों का पुलिस बल, बम डिस्पोजल स्क्वायड (बीडीएस) और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे परिसर को तुरंत खाली कराया गया। अधिवक्ताओं, न्यायिक अधिकारियों और वादकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और चप्पे-चप्पे पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

20 जिलों को भी दी गई धमकी

सूत्रों के अनुसार, यह धमकी भरा ईमेल केवल अलीगढ़ ही नहीं, बल्कि प्रदेश के करीब 20 अन्य जिलों के न्यायालयों के संबंध में भी भेजा गया है। गौरतलब है कि दो दिन पहले भी प्रदेश के कुछ अन्य न्यायालयों को इसी तरह के ईमेल प्राप्त हुए थे, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही सतर्क थीं। हालांकि, उस समय अलीगढ़ का नाम शामिल नहीं था, लेकिन सोमवार को इस ईमेल ने अधिकारियों की नींद उड़ा दी। फिलहाल, पुलिस और साइबर सेल की टीमें ईमेल के आईपी एड्रेस और भेजने वाले का सुराग लगाने में जुट गई हैं। एसएसपी नीरज जादौन ने बताया कि सुरक्षा को देखते हुए मॉक ड्रिल की जा रही है।

फारुख हत्याकांड : रामपुर में साथी की हत्या से वकीलों में भारी आक्रोश, एसपी ने सिविल लाइंस के थानेदार को हटाया

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। साथी फारुख अहमद की जिला पंचायत दफ्तर में हत्या के खिलाफ अधिवक्ताओं का गुस्सा थम नहीं रहा है। आक्रोशित अधिवक्ता सोमवार को भी हड़ताल पर हैं। बार की ओर से पूर्व घोषित हाईवे पर जाम लगाने के मुद्दे पर पहले बैठक करके मंथन होगा। बैठक में तय होगा कि जाम लगाया जाए या नहीं।

इस बीच एसपी विद्यासागर मिश्र ने सिविल लाइंस के थानेदार संजीव कुमार को हटा कर स्वार थाने का प्रभारी बनाया है। अधिवक्ता फारुख अहमद की हत्या के बाद से वकील आंदोलित हैं। पिछले तीन दिन से लगातार हड़ताल की जा रही है। शुक्रवार को भी वकीलों ने आंबेडकर पार्क के सामने जाम लगाकर छह घंटे तक धरना दिया था।

धरने के दौरान तहरीर के मुताबिक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी, मुख्य आरोपी जिला पंचायत कर्मी असगर अली की संपत्ति की जांच, इंस्पेक्टर सिविल लाइंस पर कार्रवाई की मांग उठाई थी। साथ ही जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी को सह आरोपी बताते हुए गिरफ्तारी की मांग और पीड़ित परिवार को पांच करोड़ रुपये की आर्थिक मदद पर जोर दिया था।

धरने के दौरान इंस्पेक्टर सिविल लाइंस के खिलाफ कार्रवाई न होने पर सोमवार को हाईवे के जीरो प्वाइंट पर धरना देकर प्रदर्शन करने की घोषणा की गई थी। अब अधिवक्ताओं ने सोमवार को भी हड़ताल पर रहने का एलान किया है। कहा है कि सभी मांगें पूरी नहीं हुईं आंदोलन तेज किया जाएगा। बार की ओर से सोमवार की सुबह मीटिंग की जाएगी, जिसमें हाईवे पर जाम लगाने या न लगाने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। आगामी आंदोलन पर भी विचार किया जाएगा।

बरेली जाकर एडीजी से भी मिले थे वकील

सिविल लाइंस इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई कराने समेत अन्य मांगों को लेकर अधिवक्ताओं का शिष्टमंडल एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा से भी मिल चुका है। अधिवक्ताओं ने बताया कि वहां से आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया गया है।

आरोपी जिला पंचायत कर्मी को जेल भेज चुकी है पुलिस

इस मामले में आरोपी जिला पंचायत कर्मी असगर अली को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया था। उसका मुरादाबाद में इलाज चल रहा था। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था। अब जेल के अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

अधिवक्ता फारुख अहमद की हत्या के मामले में अभी कई मांगें पूरी नहीं हुई हैं। लिहाजा सोमवार को भी वकील हड़ताल पर रहेंगे। बार की ओर से मीटिंग बुलाई गई है। इस मीटिंग में तय होगा कि हाईवे पर जाम लगाया जाए या नहीं। इस मीटिंग में आगे की रणनीति भी तय होगी। - राजेंद्र प्रसाद लोधी, अध्यक्ष बार एसोसिएशन

तबादले से वकीलों का गुस्सा कम करने की कोशिश

अधिवक्ता फारुख अहमद की हत्या के बाद वकीलों के निशाने पर आए सिविल लाइंस थाने के प्रभारी संजीव कुमार को हटा दिया गया है। उन्हें अब स्वार कोतवाली की जिम्मेदारी दी गई है। माना जा रहा है कि इस कार्रवाई से अधिवक्ताओं का गुस्सा कम करने की कोशिश की गई है। रविवार की शाम एसपी विद्या सागर मिश्र ने सिविल लाइंस के कोतवाल संजीव कुमार को हटा दिया।

एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि संजीव कुमार को अब स्वार का कोतवाल बनाया गया है। उनके स्थान पर शहर कोतवाली में तैनात ओमकार सिंह को सिविल लाइंस थाने की कमान दी गई है। इसके अलावा बिलासपुर से हटाए गए कोतवाल प्रदीप मलिक को शहर कोतवाल बनाया गया है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय, सिंधूपुर, कंपोजिट, बिछिया में आयोजित प्रतियोगिता में 37 बच्चों ने लिया भाग

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के तहत सोमवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय, सिंधूपुर, कंपोजिट, बिछिया में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) के सहयोग से पोस्टर एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी सतीश चन्द्र पांडे की अध्यक्षता में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में 37 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें कक्षा-सात की पल्लवी पहले, कक्षा-चार की अंशिका एवं कक्षा- छह की श्रेया दूसरे और कक्षा-छह के आदित्य तीसरे स्थान पर रहे। स्वाति, लक्ष्मी, निर्मल और पायल को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कक्षा-सात के गौरव को पहला एवं अनुज को दूसरा और कक्षा-छह के यश को तीसरा पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य प्रज्ञा शुक्ला ने किया। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) मनीषा शर्मा ने डायरिया रोकथाम और प्रबन्धन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि डायरिया की चपेट में कई कारणों से बच्चे आ सकते हैं, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। माताएं छह माह से ऊपर के बच्चों को स्तनपान कराती रहें और हमेशा साफ़-सुथरा पानी ही पिलायें। छह माह से कम उम्र के बच्चों को स्तनपान के अलावा बाहरी कोई भी चीज न दें यहाँ तक कि पानी भी नहीं। इस अवस्था में बाहरी चीज देने से संक्रमण का जोखिम बना रहता है। मां के दूध में बच्चे की जरूरत के मुताबिक़ पानी की मात्रा होती है, इसलिए बाहर से पानी न पिलाएं। पीएसआई इंडिया के गजेंद्र सिंह ने बताया कि 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम उन्नाव समेत प्रदेश के 13 जनपदों में चलाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर शहरी स्वास्थ्य केंद्र के फार्मासिस्ट विकास ने छात्र-छात्राओं को रोटावायरस के वैक्सीन के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर पीएसआई इंडिया से अशरफ हुसैन और आशा मीरा एवं सरोजनी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से शिक्षिका कृति त्रिपाठी, रचना गौतम, रश्मि कुमार , सुषमा वर्मा , सावित्री देवी, दीपिका एवं अर्चना देवी आदि मौजूद रहीं।

'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

श्रावस्ती। राजकीय बालिका इंटर कालेज में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के तहत पोस्टर और रोल प्ले प्रतियोगिता आयोजित की गयी। डायरिया के प्रति जागरूकता के लिए प्रिंसिपल एकता यादव की अध्यक्षता में आयोजित प्रतियोगिता में 41 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कक्षा-नौ की श्रद्धा पहले, सुनीता दूसरे और कक्षा -9 की ही गरिमा तीसरे स्थान पर रहीं। रोल प्ले में कक्षा-नौ की शिवांशी प्रथम, अनुपम द्वितीय व वैष्णवी तृतीय रहीं। प्रतियोगिता का आयोजन पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से छात्र-छात्राओं को डायरिया रोकथाम और प्रबन्धन के बारे में विस्तार से बताया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आर. के. एस. के.) की जिला समन्वयक बबीता ने बताया कि बच्चे को दिन में तीन बार से अधिक पतली दस्त हो, प्यास ज्यादा लगे और आँखें धंस गयी हों तो यह डायरिया के लक्षण हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे को जल्दी से जल्दी ओआरएस का घोल देना शुरू करें और तब तक इस घोल को देते रहें जब तक की दस्त ठीक न हो जाए। इसके साथ ही निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र से सम्पर्क करना चाहिए। इसके अलावा स्थानीय एएनएम या आशा दीदी के सहयोग से जिंक की गोली प्राप्त कर सकते हैं और उनके द्वारा बताये गए तरीके से 14 दिनों तक बच्चों को अवश्य दें। डायरिया की चपेट में कई कारणों से बच्चे आ सकते हैं, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए डायरिया से बचाव के लिए घर और आस-पास साफ-सफाई रखें। शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें।

ज्ञात हो कि 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम श्रावस्ती समेत प्रदेश के 13 जनपदों में चलाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इस मौके पर पीएसआई इंडिया से पंकज पाठक एवं रमेश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से शिक्षिका कल्पना देवी, सरोजा देवी, सालीया खातून, कुमारी गीता आदि मौजूद रहीं।

ग्रेटर नोएडा में फिर दर्दनाक हादसा, अब लापरवाही के गड्ढे में डूबने से मासूम की मौत, न थी कोई बैरिकेडिंग

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में एक मासूम की लापरवाही के गड्ढे में डूबकर मौत हो गई। एक ही महीने पहले नोएडा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता फिर दिल्ली में कमल और अब रविवार को ग्रेटर नोएडा में लापरवाही के गड्ढे का शिकार तीन साल का मासूम देवांश हो गया।

गांव दलेलगढ़ में वह अपने मामा के घर धार्मिक अनुष्ठान में आया था। शनिवार दोपहर खेलते-खेलते छह से सात फीट गहरे गड्ढे में गिर गया। ग्रामीणों का आरोप है कि पशुचर भूमि पर यह गड्ढा है। ग्रेनो प्राधिकरण से इसकी तारबंदी कराने के लिए शिकायत कई बार की गई थी लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं बरती है। प्राधिकरण का दावा है कि यह जमीन किसान की है।

बिलासपुर के निकट दलेलगढ़ गांव निवासी अनिल ठाकुर की बेटी अंजली की शादी सिकंदराबाद के गांव सपौनी निवासी राकेश से हुई है। अनिल शादी-विवाह समेत अन्य आयोजनों में बाल काटते हैं। गांव में डालेश्वर बाबा की समाधि पर अंजली के भाई देवेंद्र ने 41 दिन का धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया था। शनिवार को उसका अंतिम दिन था। इस दौरान भंडारा हो रहा था।

खेलते-खेलते गड्ढे में डूब गया देवांश

इसी आयोजन में अंजली बेटे देवांश और अन्य परिजनों के साथ आई थीं। भंडारे के दौरान देवांश अन्य बच्चों के साथ खेलते-खेलते गड्ढे में डूब गया। कुछ देर बाद उसका कोई पता न चलने पर परिजन और रिश्तेदार उसे ढूंढने लगे लेकिन कुछ पता नहीं चला।

गड्ढे में भरे पानी में दिखी बच्चे की टोपी

इसी दौरान किसी ने समाधि स्थल के निकट गड्ढे में भरे पानी में बच्चे की टोपी देखी। लोग फौरन पानी में उतरे और बच्चे को निकाला। आनन फानन उसे नजदीकी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत पर समारोह स्थल पर मातम छा गया। इस दौरान परिजन का भी रो-रोकर हाल बेहाल हो गया। घटना के बाद सदर तहसीलदार डॉ. अजय, नायब तहसीलदार ज्योत सिंह व लेखपाल मौके पर पहुंचे थे। रविवार को मौके पर उप जिलाधिकारी आशुतोष गुप्ता पहुंचे और मौके का निरीक्षण किया। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच की।

ग्रामीण बोले- जिस गड्ढे में बच्चा डूबा, वह पशुचर जमीन में

ग्रामीण अमित भाटी, कृष्णकांत शर्मा, विनोद, लीलू प्रधान, रवि आदि ने बताया कि जिस गड्ढे में मासूम डूब, वह पशुचर जमीन में है। उन्होंने कहा कि जब जिसका मन किया उसने यहां से मिट्टी निकाल ली। कभी प्राधिकरण तो कभी ग्रामीण इस जमीन से मिट्टी ले गए और इस तरह यह जानलेवा गड्ढा बनता गया। उधर धीरे-धीरे इसमें बारिश और नालियों का पानी भरता गया। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से गड्ढे में पानी भरने के कारण हादसे की आशंका जताते हुए तारबंदी की मांग की लेकिन ध्यान नहीं दिया गया।

इंसानियत के लिए दर्स देने का काम करेगी हुसैन की कुर्बानी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जमीने मुबारक कदम रसूल छोटी लाइन इमाम बारगाह भंडारी स्टेशन के समीप शिया पंजतनी कमेटी के तत्वावधान में 28वां ऑल इण्डिया मजलिसे अजा व जुलूस सम्पन्न हुआ। इसमें मुजफ्फरनगर से आये मौलाना सैय्यद अजादार हुसैन ने कहा कि ईमाम हुसैन की कर्बला के मैदान में दी गयी कुर्बानी रहती दुनिया तक न सिर्फ याद की जाती रहेगी बल्कि इंसानियत के लिए दर्स देने का काम करती रहेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया में कुर्बानिया तो बहुत दी गयी लेकिन ऐसी कुर्बानी किसी भी धर्म के इतिहास में नहीं मिलती। मौलाना इब्ने हसन जैदी व मौलाना सैय्यद नामदार हुसैन दिल्ली ने कहा कि कर्बला के मैदान में बुजुर्ग से लेकर जवान और बच्चे तक के साथ इस हद तक बर्बता की गयी कि किसी भी सदी में जब यह दास्तां बयां

की जायेगी तो जिस इंसान के सीने में दिल होगा उसकी आंखे जरुर छलक उठेंगी। मौलाना बाकर मेंहदी अम्बेडकरनगर ने कहा कि इमाम हुसैन के चाहने वालों को चाहिए कि उनके संदेश से ऐसी जागरुकता पैदा करें कि इंसान के दिलों की आंखे रोशन हो जाय। मजलिस का आगाज तिलावते कलाम-ए-पाक से कारी फजल आजमी ने किया। सोजख्वानी सैय्यद गौहर अली जैदी व हमनवां ने किया। पेशखानी , डॉ शोहरत,हसन फतेहपुरी, वसी जौनपुरी, आबाद, खुमैनी आफाकी , डॉ मोहम्मद मेंहदी आजाद ,व मेहंदी जौंनपुरी ने अपने कलाम पेश कर कर्बला के शहीदों को नजराने अकीदत पेश किया। अलविदाई मजलिस मौलाना सैय्यद अजादार हुसैन ने पढ़ते हुए बताया कि इतिहास गवाह है कि हजरत मोहम्मद व उनके नवासों ने अपना लहू देना गवारा समझा और इसके लिए सर कटाने से भी पीछे नहीं हटें। मजलिस के बाद शबीहे ताबूत, अलम मुबारक व जुलजनाह निकाला गया।

रिवर्स फ्लाई एक्सरसाइज को इन 5 तरीकों से बनाएं प्रभावी, मिलेगा भरपूर फायदा

रिवर्स फ्लाई एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो पीठ, कंधों और बाहों को मजबूत बनाती है। यह न केवल आपके शरीर की स्थिति को सुधारती है, बल्कि आपको बेहतर संतुलन और स्थिरता भी देती है। इसके अलावा यह कसरत आपकी मांसपेशियों को टोन कर सकती है और आपके समग्र शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार ला सकती है। आइए जानते हैं कि रिवर्स फ्लाई को किन-किन तरीकों से किया जा सकता है, ताकि इससे भरपूर फायदा मिल सके।

सही वजन का डंबल चुनें

रिवर्स फ्लाई करते समय सही वजन के डंबल का चयन करना बहुत जरूरी है। अगर आप बहुत भारी डंबल का उपयोग करेंगे तो इससे आपकी मांसपेशियों पर अधिक दबाव पड़ेगा, जिससे चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है। वहीं, हल्के डंबल से आपको उतना फायदा नहीं मिलेगा। हमेशा ऐसे डंबल चुनें, जिन्हें उठाने में आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़े। हालांकि, आपके लिए उन्हें संभालना भी आसान होना चाहिए।

सही तरीके से एक्सरसाइज करें

रिवर्स फ्लाई करते समय सही तरीका अपनाना बहुत जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले अपने पैरों को कंधों की चौड़ाई पर रखें और हल्के झुकाव वाली मुद्रा में आ जाएं। अब दोनों हाथों में डंबल लेकर उन्हें धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठाएं, जब तक कि आपके हाथ कंधों के समानांतर न हो जाएं। इस दौरान पीठ को सीधा रखें और सांस को नियंत्रित करें। इसे सही तरीके से करने पर आप अधिकतम लाभ पा सकते हैं।

धीरे-

धीरे जटिलता बढ़ाएं

अगर आप रिवर्स फ्लाई एक्सरसाइज में नए हैं तो शुरुआत में इसे कम करें और धीरे-धीरे जटिलता को बढ़ाएं। इससे आपकी मांसपेशियां तैयार रहेंगी और चोट लगने का खतरा कम होगा। पहले हफ्ते में इसे 10-15 बार दोहराएं और फिर हर हफ्ते 2-3 बार बढ़ाएं। इस तरह आप अपनी क्षमता के अनुसार अपनी ताकत बढ़ा सकते हैं और कसरत का पूरा लाभ उठा सकते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी और आप बेहतर परिणाम पा सकेंगे।

नियमितता बनाए रखें

कोई भी एक्सरसाइज तभी असरदार होती है, जब उसे नियमित रूप से किया जाए। रिवर्स फ्लाई को हफ्ते में कम से कम 3 बार करना चाहिए। इससे न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी, बल्कि आपकी समग्र शारीरिक स्थिति भी बेहतर होगी। नियमितता बनाए रखने से आपको लंबे समय तक इसके लाभ मिलेंगे और आपकी सेहत में सुधार आएगा। इसके अलावा नियमित अभ्यास से आपकी ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा और आप अधिक सक्रिय महसूस करेंगे।

पहले और बाद में तैयारी करें

किसी भी एक्सरसाइज से पहले और बाद में खुद को तैयार करना बहुत जरूरी है। आप पहले हल्की-फुल्की स्ट्रेचिंग या हल्की दौड़ जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, ताकि आपकी मांसपेशियां तैयार हो जाएं और चोट लगने का खतरा कम हो। बाद में कूल-डाउन करने से आपकी मांसपेशियां धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आ जाती हैं और शरीर का तापमान संतुलित रहता है। इन 5 तरीकों से आप रिवर्स फ्लाई एक्सरसाइज का भरपूर फायदा उठा सकते हैं।

सेब में छुपा ग्लोइंग स्किन, तेज दिमाग और मजबूत दिल का राज, फायदे जानकर हो जाएंगे हैरान

सेब ऐसा फल है जिसे आप रोज खाएं तो आपको जल्दी डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि इसमें विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं। सबसे पहले बात करते हैं पाचन की, तो सेब में मौजूद पेक्टिन नाम का घुलनशील फाइबर आंतों की सफाई करता है, पाचन को मजबूत बनाता है और कब्ज, गैस जैसी दिक्कतों से राहत देता है। जो लोग अक्सर पेट खराब या अनियमित पाचन से परेशान रहते हैं, उनके लिए सेब काफी फायदेमंद माना जाता है। दिल के लिए भी यह फल एक तरह से ढाल का काम करता है, क्योंकि इसमें मौजूद फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है और ब्लड फ्लो को बेहतर बनाए रखता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम हो सकता है। वजन घटाने में भी ये काफी फायदेमंद होता है। सेब कम कैलोरी वाला है और इसे खाने से पेट देर तक भरा रहता है, जिससे बार-बार खाने की आदत नियंत्रित होती है। जो लोग वेट लॉस डाइट कर रहे हों, उनके लिए यह एक बढ़िया विकल्प है। सेब ब्लड शुगर को भी धीरे-धीरे बढ़ाता है, इसलिए डायबिटीज वाले लोग इसे सीमित मात्रा में खा सकते हैं। यह उनकी भूख को शांत रखता है और ऊर्जा भी देता है।

दिमाग के लिए भी यह फल कमाल का माना जाता है, क्योंकि इसके एंटीऑक्सीडेंट दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और याददाश्त में सुधार करने में मदद करते हैं। त्वचा और बालों की बात करें तो सेब में मौजूद विटामिन सी स्किन को ग्लो देता है, झुर्रियां कम करता है और हेयर फॉल को कंट्रोल करने में भी मददगार माना जाता है।

इसके नियमित सेवन से इम्युनिटी भी बढ़ती है, जिससे शरीर संक्रमणों से बेहतर तरीके से लड़ पाता है। सेब को छिलके सहित खाना ज्यादा बेहतर माना जाता है, क्योंकि फाइबर का ज्यादातर हिस्सा छिलके में ही होता है। दिन में एक से दो छोटे या मध्यम आकार के सेब आप खा सकते हैं।

डायबिटीज है तो हो जाएं सावधान, हाई शुगर के कारण आंख और कान दोनों हो सकते हैं खराब

जब लंबे समय तक ब्लड शुगर कंट्रोल में नहीं रहती, तो यह शरीर की छोटी रक्त वाहिकाओं और नसों को नुकसान पहुंचाती है। यही नसें और सूक्ष्म रक्त नलिकाएं आंखों और कानों जैसे संवेदनशील अंगों को सही तरीके से काम करने में मदद करती हैं।

ब्लड शुगर लेवल का अक्सर बढ़ा रहना आपके पूरे शरीर पर असर डाल सकता है। डायबिटीज के मरीजों में आंखों की रोशनी कमजोर होने, दिल की बीमारी का खतरा बढ़ने, किडनी फेलियर और मेटाबॉलिज्म की समस्याओं का जोखिम अधिक होता है, ये हम सभी पढ़ते-सुनते आ रहे हैं। पर क्या आप जानते हैं कि अगर शुगर लेवल कंट्रोल में नहीं है तो इसका कानों पर भी असर हो सकता है। इतना ही नहीं बढ़ा हुआ शुगर लेवल आपमें बहरेपन का खतरा भी बढ़ाने वाला हो सकता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि डायबिटीज से पीड़ित लोगों में सामान्य लोगों की तुलना में आंखों की कमजोरी और सुनने की समस्या का खतरा दोगुना हो सकता है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज एक खतरनाक क्रॉनिक बीमारी है। जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उनमें कान-आंख सहित कई अन्य अंगों से संबंधित समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

डायबिटीज रोगियों में कम सुनाई देने की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से डायबिटीज का खतरा कम उम्र के लोगों में भी बढ़ता जा रहा है, इसे लेकर सभी लोगों को अलर्ट हो जाना चाहिए। नियमित रूप से शुगर की जांच और इसे कंट्रोल में रखने वाले उपाय आपको किसी बड़ी समस्या से सुरक्षित रखने में मददगार हो सकते हैं।

जब लंबे समय तक ब्लड शुगर कंट्रोल में नहीं रहती, तो यह शरीर की छोटी रक्त वाहिकाओं और नसों को नुकसान पहुंचाती है।

यही नसें और सूक्ष्म रक्त नलिकाएं आंखों और कानों जैसे संवेदनशील अंगों को सही तरीके से काम करने में मदद करती हैं।

डायबिटीज के कारण जब इन पर असर पड़ता है, तो आंखों की रोशनी कम होने के साथ-साथ धीरे-धीरे सुनने की क्षमता भी घटने लगती है।

शुगर लेवल बढ़ने का कानों पर क्या असर होता है?

हेयरिंग हेल्थ फाउंडेंशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक शुगर लेवल बढ़े रहने के कारण आंखों की ही तरह कानों की छोटी-छोटी नसें कमजोर होने लगती हैं।

कान के अंदर की बहुत छोटी ब्लड वेसल्स होती है जो बेहद संवेदनशील भी होती हैं। खून में ग्लूकोज का स्तर बढ़े रहने के कारण इनके सिकुड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

कान की छोटी और नाजुक नसों को होने वाली क्षति के कारण सबसे पहले टिनिटस (कान में घंटी बजने) या शब्दों को साफ न सुन पाने की समस्या हो सकती है।

चूंकि डायबिटीज एक सिस्टमिक प्रॉब्लम है, इसलिए आमतौर पर इससे दोनों कान प्रभावित होते हैं।

कानों की समस्याओं के क्या लक्षण हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हाई शुगर के कारण आंखों को होने वाली समस्याओं के लक्षण आमतौर पर जल्दी दिखने लगते हैं, पर सुनने की क्षमता में कमी का पता चलने में लंबा समय लग सकता है। अगर आपका शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है तो कान से संबंधित कुछ लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान दें। ये संकेत हो सकते हैं कि हाई शुगर आपके सुनने की क्षमता पर भी असर डालने लगी है।

कानों में घंटी बजने की समस्या।

ज्यादा शोर वाली जगह पर बात समझने में मुश्किल होना।

हमेशा दूसरों से वही दोहराने के लिए कहना जो उन्होंने कहा है।

शिकायत करना कि लोग बहुत धीरे-धीरे बोलते हैं।

टेलीविजन या मोबाइल का वॉल्यूम सामान्य से ज्यादा तेज रखना।

डायबिटीज के मरीज कैसे रखें अपने कानों का ख्याल?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज के मरीजों को अपने शुगर लेवल को कंट्रोल में रखने के लिए नियमित रूप से प्रयास करते रहना चाहिए।

ब्लड शुगर को नियमित रूप से कंट्रोल में रखें

समय-समय पर हियरिंग टेस्ट करवाएं

धूम्रपान और शराब से बचें, इससे भी कानों को नुकसान हो सकता है।

शुगर कंट्रोल रखने के लिए पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम की आदत बनाना भी जरूरी है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी क्यों खतरनाक

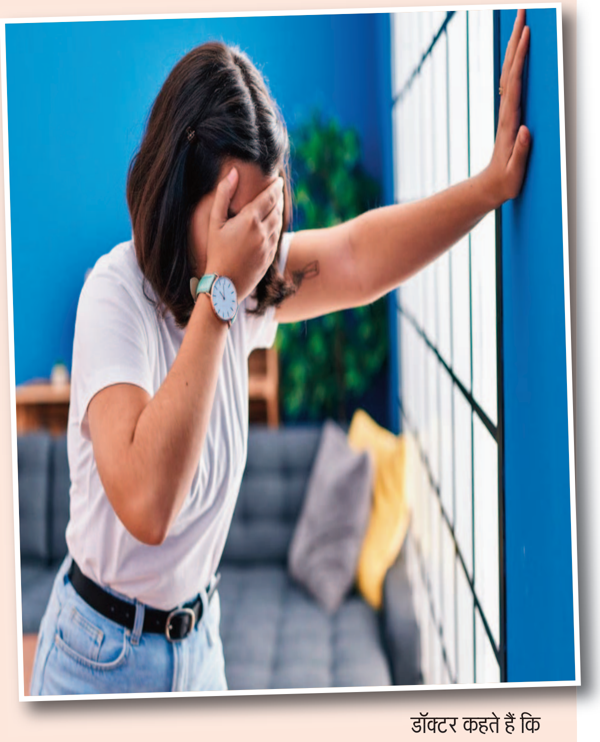

डॉक्टर कहते हैं कि डायबिटिक रेटिनोपैथी की बीमारी इतनी खतरनाक होती है कि आंखों की रोशनी तक छीन सकती है। इसकी वजह से अंधेपन के शिकार हो सकते हैं। डाबिटीज पेशेंट जो हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रहे हैं और धूम्रपान करते रहते हैं, उन्हें इस बीमारी का सबसे ज्यादा रिस्क रहता है। WHO के मुताबिक, आंखों की अलग-अलग बीमारियों के बाद डायबिटिक रेटिनोपैथी दुनियाभर में अंधेपन की दूसरी सबसे बड़ी वजह है। इस बीमारी की चपेट में आने के बाद आंखों की रोशनी जाने का खतरा 50 प्रतिशत तक रहता है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी बीमारी का कारण

नेत्र रोग विशेषज्ञों के अनुसार, डायबिटीज ऐसी खतरनाक क्रोनिक बीमारी है, जिसका असर शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी पड़ सकता है। ऐसे मरीज जिनका ब्लड शुगर का लेवल सामान्य से ज्यादा रहता है, उन्हें इस बीमारी से सबसे ज्यादा खतरा रहता है। ये बीमारी सीधा रेटिना पर अटैक करती है और उसके फंक्शन को बिगाड़ देती हैं। अगर समय रहते इसके लक्षणों की पहचान और इलाज न कराया जाए तो अंधेपन की शिकायत आ सकती है।

कैसे करें बचाव

हर 6 महीने में आंखों की जांच करवाएं।

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखने की कोशिश करें।

समस्या बढ़ने पर डॉक्टर के पास जाएं।

नई सीपीआई सीरीज: रोटी से ओटीटी तक, कैसे बदल गया लोगों के खर्च करने का तरीका...

सरकार ने रिटेल महंगाई के पैमाने को सेट करने के लिए नई सीआईपी सीरीज जारी की है, जिसमें यह पता चला कि लोग अब फूड से ज्यादा सर्विसेज पर खर्च कर रहे हैं। आइए इसी बात को डिटेल में समझते हैं कि लोगों की स्पेंड हैबिट कैसे बदल रही है।

समय बदला, लोग बदले और बदल गए उनके तौर तरीके जी हां भारत में अब लोगों का जीवन स्तर तेजी से बदल रहा है। जो कि देश की अर्थव्यवस्था को नया संकेत देता है। सरकार ने हाल ही में महंगाई मापने वाले अपने सूचकांक को अपडेट किया। सीपीआई में अपडेट कर बताया गया कि लोग अब खाने से ज्यादा सर्विसेज पर खर्च कर रहे हैं। यानी बात सिर्फ और सिर्फ रोटी की रही नहीं। देश में खर्च का पैमाना बदल रहा है इसलिए इंडेक्स भी बदल गया।

जनवरी के कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) के ताजा आंकड़े सिर्फ महंगाई का नया नंबर नहीं हैं। 2.75% पर पहुंची महंगाई फिर से रिजर्व बैंक के टारगेट बैंड में आ गई है। पहली नजर में यह सिर्फ एक नियमित सांख्यिकीय अपडेट लगता है, जो पहले ही हो जाना चाहिए था क्योंकि पुराना बास्केट 2011-12 के खपत पैटर्न पर आधारित था। लेकिन इस तकनीकी बदलाव के पीछे अर्थव्यवस्था में हो रहे बड़े बदलावों की कहानी छिपी है।

सीपीआई बास्केट में संशोधन केवल महंगाई मापने के तरीके को आधुनिक नहीं बनाता, बल्कि यह भी दर्शाता है कि बीते एक दशक में भारतीय परिवारों की खर्च करने की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। खाने-पीने की वस्तुओं का वेटेज घटा है, जबकि सेवाएं, हाउसिंग और OTT जैसे नए जमाने के खर्चों को ज्यादा महत्व मिला है। रोटी से OTT तक का यह बदलाव संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब सिर्फ बुनियादी जरूरतों तक सीमित नहीं रही, बल्कि तेजी से विविध और डिस्क्रिशनरी कंजम्पशन की ओर बढ़ रही है।

सीपीआई बास्केट को रीसेट करने की जरूरत क्यों पड़ी

महंगाई को सही तरीके से मापने के लिए यह समझना जरूरी है कि लोग क्या खरीदते हैं और किस चीज पर कितना खर्च करते हैं। जब लोगों के खर्च करने का तरीका बदलता है, तो इंडेक्स भी बदलना जरूरी हो जाता है। पिछला सीपीआई बास्केट 2011-12 के खर्च के पैटर्न पर आधारित था। उस समय डिजिटल सर्विसेज, ऑर्गनाइज्ड रिटेल, ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, CNG और PNG जैसे नए फ्यूल तेजी से

आम नहीं हुए थे।

नई सीरीज में बेस ईयर 2024 कर दिया गया है और इसमें डिजिटल व सरकारी रिकॉर्ड जैसे नए डेटा सोर्स जोड़े गए हैं। पहली बार ग्रामीण घरों का किराया शामिल किया गया है और ग्रामीण व शहरी इलाकों में हाउसिंग का सैंपल साइज बढ़ाया गया है। ई-कॉमर्स वेबसाइट्स की कीमतें भी अब इंडेक्स में जोड़ी गई हैं। OTT सब्सक्रिप्शन, हवाई किराया और टेलीकॉम प्लान जैसी चीजों को अब औपचारिक रूप से ट्रैक किया जाता है। वहीं VCR, कैसेट प्लेयर और कॉयर रस्सी जैसी पुरानी चीजें हटा दी गई हैं। इन बदलावों से आंकड़ों की सटीकता बढ़ती है। साथ ही यह दिखाता है कि आज का समाज डिजिटल सब्सक्रिप्शन और मॉडर्न लाइफस्टाइल का हिस्सा बन चुका है।

फूड स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव

नए सीपीआई में सबसे बड़ा बदलाव खाने के वेटेज में कमी है, जो पहले करीब 46% था और अब लगभग 37% हो गया है। खाना अभी भी सीपीआई का सबसे बड़ा हिस्सा है और 37% के साथ महंगाई पर बड़ा असर डालता है, लेकिन इसमें कमी अपने आप में आर्थिक रूप से अहम है। खाने की कीमतें अक्सर अस्थिर रहती हैं। ये मानसून, सप्लाई की दिक्कत और ग्लोबल कमोडिटी ट्रेंड से प्रभावित होती हैं। कम वेटेज का मतलब है कि हेडलाइन इन्फ्लेशन में उतार-चढ़ाव थोड़ा कम हो सकता है। अगर खाने का हिस्सा घटा है, तो इसका मतलब है कि लोग खाना कम नहीं खा रहे, बल्कि उनकी आय बढ़ने के साथ दूसरे खर्च ज्यादा तेजी से बढ़ रहे हैं।

क्या बताते हैं घरेलू खर्च के आंकड़े?

घरेलू खपत खर्च सर्वे के मुताबिक ग्रामीण भारत में औसत मासिक प्रति व्यक्ति खर्च (MPCE) 2011-12 में 1,430 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 3,773 रुपये हो गया। शहरी भारत में यह 2,630 रुपये से बढ़कर 6,459 रुपये हो गया। यानी करीब एक दशक में खर्च दोगुने से ज्यादा हो गए। ग्रामीण इलाकों में खाने पर खर्च का हिस्सा 2011-12 में 52.9% से घटकर 2022-23 में 46.38% हो गया। शहरी इलाकों में यह 42.62% से घटकर 39.17% हो गया। इसका मतलब साफ है कि लोगों की कुल इनकम और खर्च दोनों बढ़े हैं, लेकिन खाने का हिस्सा धीरे-धीरे कम हो रहा है। अब लोग कपड़े, ट्रांसपोर्ट, घर, हेल्थकेयर, पढ़ाई और मनोरंजन पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं।

सर्विस खर्च में हुई बढ़ोतरी

नए सीपीआई बास्केट में रूरल हाउसिंग, स्ट्रीमिंग सर्विसेज, डिजिटल डिवाइस, वैल्यू-एडेड डेयरी प्रोडक्ट और बेबीसिटिंग जैसी चीजें जोड़ी गई हैं। इससे लाइफस्टाइल और जरूरतों में बदलाव दिखता है। ग्रामीण किराया शामिल करना इसलिए अहम है, क्योंकि अब गांवों में भी घर किराए पर देने और लेने का चलन बढ़ा है।

ऑनलाइन मीडिया सब्सक्रिप्शन और डिजिटल सर्विसेज को शामिल करना भारत की बढ़ती डिजिटल इकॉनमी को दिखाता है। टेलीकॉम प्लान, OTT प्लेटफॉर्म और हवाई यात्रा अब सिर्फ अमीरों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि आम परिवारों के बजट का हिस्सा बन गए हैं। यह बदलाव उस अर्थव्यवस्था की निशानी है जो लोअर-मिडिल इनकम से मिडिल इनकम की ओर बढ़ रही है। जैसे-जैसे इनकम बढ़ती है परिवार सिर्फ बुनियादी जरूरतों पर नहीं, बल्कि सुविधा और अनुभव पर भी खर्च करने लगते हैं।

खाने की अभी भी है अहमियत

हालांकि बदलाव बड़ा है, लेकिन इसे बढ़ा-चढ़ाकर नहीं देखना चाहिए। लगभग 37% वेटेज के साथ खाना अभी भी महंगाई का सबसे बड़ा हिस्सा है। भारत जैसे देश में जहां ग्रामीण आबादी ज्यादा है, फूड सिक्योरिटी और कीमतों की स्थिरता अभी भी बड़ी चिंता है।

जनवरी 2026 का सीपीआई बदलाव दिखाता है कि भारत का खर्च करने का तरीका बदल रहा है। पिछले 10 साल में घरों का खर्च काफी बढ़ा है और उसका हिस्सा खाने से हटकर घर, सर्विस और मॉडर्न चीजों की ओर शिफ्ट हुआ है। सीपीआई में यह बदलाव भले ही टेक्निकल लगे, लेकिन यह भारत की बदलती कंजम्पशन स्टोरी को साफ दिखाता है।

भारत में तेजी से लोकप्रिय होता एक क्रेडिट कार्ड– लाखों लोग इसे ले चुके हैं

यह कार्ड सिर्फ ₹500 से शुरू होने वाली एफडी के बदले मिलता है।

की गई एफडी पर ब्याज मिलता है यानी यह बचत जैसा भी काम करती है। समय के साथ आपकी अच्छी क्रेडिट हिस्ट्री बनती है। यह ऐसा सिस्टम है जहां पैसे बचाना और क्रेडिट स्कोर बनाना दोनों एक साथ आसान हो जाते हैं।

कई वर्षों से भारत में क्रेडिट कार्ड मिलने या न मिलने का एक बड़ा कारण क्रेडिट हिस्ट्री रहा है। जिन लोगों के पास पहले कोई लोन या उधार का रिकॉर्ड नहीं होता था, उन्हें अक्सर क्रेडिट कार्ड नहीं मिल पाता था, भले ही वे अपने रोजमर्रा के पैसों को अच्छी तरह संभालते हों। पिछले एक साल में सुपर.मनी नाम के एक प्रमुख यूपीआई आधारित फिनटेक ऐप ने इस समस्या को हल किया है। यह ऐप भरोसेमंद बैंकों (कोटक 811 और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक) के साथ मिलकर सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड के जरिए लोगों को क्रेडिट की सुविधा दे रहा है। यह सुविधा खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो क्रेडिट सिस्टम में नए हैं, जैसे कि छात्र, पहली बार नौकरी करने वाले युवा और गृहिणियां आदि।

सुपर.मनी ने भारत में यूपीआई पर आधारित सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड की शुरुआत की है, जिससे लाखों नए लोगों को पहली बार क्रेडिट की सुविधा मिली है। इस सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड से लोग रोज़मर्रा के छोटे खर्च और बड़ी खरीदारी दोनों के लिए ही आसान यूपीआई पेमेंट कर सकते हैं।

यह कैसे काम करता है और इसके क्या फायदे हैं?

प्ले स्टोर / ऐप स्टोर से सुपर.मनी ऐप पर कुछ ही मिनटों में आवेदन करें।

इस सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड के लिए पुराने क्रेडिट स्कोर की ज़रूरत नहीं होती।

यह कार्ड रुपे पर काम करता है और यूपीआई से पेमेंट की सुविधा देता है। इससे लोग किराना खरीदने, बिल भरने और ऑनलाइन शॉपिंग आसानी से कर सकते हैं। इसका उद्देश्य है रोज़मर्रा के खर्च को आसान बनाना।

पूरे भारत में पार्टनर बैंकों के जरिए लाखों सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिससे यह इस श्रेणी का सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला प्रोडक्ट बन गया है। तेलंगाना, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के ग्राहक इस नए जमाने के क्रेडिट कार्ड को तेजी से अपना रहे हैं।

एक अच्छी क्रेडिट हिस्ट्री भविष्य में मिलने वाले फाइनेंशियल मौकों के लिए बहुत ज़रूरी होती है। जैसे एजुकेशन लोन, होम लोन और कम ब्याज दर। सिक्योर्ड क्रेडिट मॉडल कम जोखिम के साथ शुरुआत करने का मौका देता है और रोजमर्रा के खर्च और औपचारिक लोन सिस्टम के बीच की दूरी को कम करने में मदद करता है।

यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) की वजह से डिजिटल पेमेंट बहुत आम हो गया है और लाखों लोग डिजिटल सिस्टम से जुड़ चुके हैं। अब अगला कदम है लोगों को क्रेडिट की सुविधा देना, ताकि वे सिर्फ पेमेंट ही नहीं, बल्कि अपनी फाइनेंशियल साख (क्रेडिट) भी बना सकें। इसी दिशा में सुपर.मनी भारत के पहली बार क्रेडिट लेने वाले लोगों को उनकी इस शुरुआत में मदद कर रहा है।

कौन होगा नया तानाशाह: किम जोंग के परिवार में सत्ता का टकराव, 13 साल की बेटी बन सकती हैं नई उत्तराधिकारी

प्योंगयांग (उत्तर कोरिया), एजेंसी। उत्तर कोरिया में सत्ता के नए खेल की झलक दिखने लगी है। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के अनुसार, किम जोंग उन की 13 वर्षीय बेटी किम जू ऐ को देश का अगला उत्तराधिकारी बनाए जाने की संभावना है। अभी किम जू ऐ की उम्र करीब 13 साल है और कयास लगाए जा रहे है कि 14 साल होते ही किम जोंग उन की ओर से अपना उत्तराधिकारी घोषित किया जा सकता है। इस कदम से उनके और किम जोंग उन की शक्तिशाली बहन किम यो जोंग के बीच भविष्य में सत्ता की टक्कर हो सकती है। फिलहाल वह कोरिया की वर्कर्स पार्टी की सेंट्रल कमेटी में सीनियर पद पर हैं।

दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस (NIS) ने सांसदों को बताया कि किम जू ऐ जल्द ही

औपचारिक रूप से उत्तराधिकारी घोषित हो सकती हैं। यह निर्णय उत्तर कोरिया के आगामी वर्कर्स पार्टी कांग्रेस से पहले अहम माना जा रहा है, जहां किम जोंग उन अपनी नई राजनीतिक रणनीतियां तय करेंगे और सत्ता पर पकड़ मजबूत करेंगे।

किम जू ऐ ने पहली बार सार्वजनिक रूप से नवंबर 2022 में लंबी दूरी के मिसाइल परीक्षण के दौरान दिखाई दी थी। तब से वह अपने पिता के साथ कई कार्यक्रमों में नजर आ रही हैं, जिनमें हथियार परीक्षण, सैन्य परेड और कारखानों के दौरे शामिल हैं। पिछले साल सितंबर में उन्होंने चीन की यात्रा के दौरान किम जोंग उन के साथ बीजिंग में भी मौजूद रही।

सत्ता की चुनौती

किम जू ऐ की उत्तराधिकारिता के रास्ते में सबसे बड़ी चुनौती उनकी चाची किम यो जोंग हो सकती हैं। 38 वर्षीय किम यो जोंग को उत्तर कोरिया में दूसरी सबसे शक्तिशाली शख्सियत माना जाता है और उनके पास मजबूत राजनीतिक और सैन्य समर्थन मौजूद है।

पूर्व दक्षिण कोरियाई खुफिया अधिकारी राह जोंग यिल ने चेतावनी दी है कि किम यो जोंग किसी भी समय शीर्ष पद के लिए कदम उठा सकती हैं। उन्होंने कहा यदि उन्हें मौका मिले, तो वे अपनी राजनीतिक परियोजना को लागू करने से पीछे नहीं हटेंगी। उनके पास रुकने का कोई कारण नहीं है। किम यो जोंग अपनी कटु टिप्पणियों के लिए भी जानी जाती हैं। 2022 में उन्होंने दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री पर तीखी टिप्पणी की और चेतावनी दी कि अत्यंत विनाशकारी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

उत्तर कोरिया का परिवार और पूर्व विवाद

उत्तर कोरिया के सत्ता इतिहास में पारिवारिक संघर्ष और क्रूर निष्पादन आम रहे हैं। 2011 में सत्ता संभालने के बाद किम जोंग उन ने अपने चाचा और संरक्षक जांग सोंग थाइक को निष्पादित कराया था। उनके सौतेले भाई किम जोंग नाम की हत्या 2017 में मलयेशिया के कुआलालंपुर एयरपोर्ट पर VX नर्व एजेंट का प्रयोग करके की गई थी।

परमाणु शक्ति और वैश्विक चिंता

आज उत्तर कोरिया दुनिया के सबसे परमाणु शक्तिशाली देशों में गिना जाता है। जनवरी 2024 तक देश ने अनुमानित 50 परमाणु हथियार विकसित कर लिए हैं और 70-90 और बनाने की क्षमता रखता है। इसके अलावा देश के पास उन्नत रासायनिक और जैविक हथियार कार्यक्रम भी हैं। हाल के वर्षों में बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों की गति में तेजी आई है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किम जोंग उन अचानक अस्वस्थ या मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं, तो किम यो जोंग सबसे अधिक स्थापित और तुरंत प्रभावशाली उम्मीदवार होंगी। जबकि किम जू ऐ और उनके भाई-बहन अभी बहुत युवा और राजनीतिक रूप से स्थापित नहीं हैं।

लूनर न्यू ईयर से पहले चीन में पटाखा दुकान में धमाका, आग लगने से आठ लोगों की मौत, दो घायल

बीजिंग, एजेंसी। चीन के झांगसु प्रांत में रविवार को एक पटाखा दुकान में धमाका और आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग हल्की चोटें लेकर अस्पताल में भर्ती हैं। यह हादसा लूनर न्यू ईयर (चाइनीज स्प्रिंग फेस्टिवल) से ठीक पहले हुआ।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इस धमाके का कारण एक निवासी द्वारा दुकान के पास पटाखे गलत तरीके से फोड़ना था। डोंगहाई काउंटी सरकार ने एक बयान में यह जानकारी दी, हालांकि उन्होंने और विवरण नहीं बताया। इस धमाके के बाद आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों को आग, पटाखों की बिक्री, उत्पादन, परिवहन और उपयोग की निगरानी बढ़ाने की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने कहा कि दुकानों के आसपास पटाखों का परीक्षण पूरी तरह से प्रतिबंधित होना चाहिए और स्थानीय सरकारों से कहा कि वे सुरक्षा की कमजोरियों को पहचान कर उन्हें दूर करें ताकि जनता सुरक्षित, मंगलमय और खुशहाल स्प्रिंग फेस्टिवल मना सके। गौरतलब है कि चीन में लूनर न्यू ईयर की रात को पटाखे जलाना एक प्राचीन परंपरा है।

हाल के वर्षों में कई जगहों पर प्रदूषण को रोकने और सुरक्षा कारणों से पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। हालांकि, पिछले साल कुछ सरकारों ने प्रतिबंधों में ढील देते हुए पटाखों को कुछ क्षेत्रों में वापस अनुमति दी थी। इस वर्ष लूनर न्यू ईयर मंगलवार को मनाया जाएगा और यह चीनी ज्योतिष के अनुसार घोड़े के वर्ष की शुरुआत करेगा।

इमरान खान के इलाज को लेकर चिंता बढ़ी, बहन अलीमा खान का आरोप– परिवार के डॉक्टर को मिलने से रोका गया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान की बहन अलीमा खान ने जेल में उनके इलाज और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता जताई है। अलीमा खानम ने कहा कि परिवार के डॉक्टर को इमरान खान से मिलने की अनुमति नहीं दी गई, जिससे उनकी नाराजगी और बढ़ गई है। अलीमा ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पोस्ट में लिखा 'हमारी मांग शुरू से स्पष्ट रही है: इमरान खान का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उनके निजी डॉक्टर डॉ. असिम यूसुफ की मौजूदगी में होना चाहिए, साथ ही परिवार का एक सदस्य भी मौजूद हो।' उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने हमारे डॉक्टरों द्वारा सुझाए गए विशेषज्ञों को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद हमें अन्य नाम सुझाने के लिए कहा गया। हमने अपनी बहन उजमा खान का

नाम दिया, लेकिन हमें बताया गया कि इमरान खान की बहनें उपस्थित नहीं हो सकतीं। इसके बाद हमने अपने चचेरे भाई नौशेरवान बुर्की का नाम दिया, लेकिन उसे भी अस्वीकार कर दिया गया।

अलीमा खान ने सवाल उठाया कि यह अस्वीकार्य है! हमारी चिंता बढ़ रही है कि हमारे परिवार के सदस्य को क्यों नहीं होने दिया जा रहा? क्या दोनों नाम इसलिए अस्वीकृत किए जा रहे हैं क्योंकि वे अत्यधिक योग्य डॉक्टर हैं? पिछले रविवार को रावलपिंडी के अडियाला जेल में एक चिकित्सा टीम ने इमरान खान की आंखों की जांच की, जो लगभग एक घंटे तक चली। यह जांच सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद की गई, जो इमरान के 12 फरवरी के दावे के बाद हुई कि उनकी दाहिनी आंख में केवल 15% दृष्टि बची है।

मेडिकल बोर्ड गठन और बच्चों से मिलने की अनुमति

सुप्रीम कोर्ट ने एक मेडिकल बोर्ड बनाने का आदेश दिया और उनके बच्चों से मिलने की अनुमति 16 फरवरी से पहले देने को कहा था। हालांकि, सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को संकेत दिए कि इमरान को अस्पताल स्थानांतरित किया जाएगा, लेकिन रविवार दोपहर तक कोई ट्रांसफर नहीं हुआ। इमरान की बहन नूरीन नियाजी ने एक्स पर पोस्ट किया कि जेल में एम्बुलेंस आई थी, लेकिन उन्होंने कहा कि हम और खान साहिब के निजी डॉक्टरों को भरोसे में लिए बिना यह अस्वीकार्य है। जेल अधीक्षक ने ट्रांसफर की खबरों को अफवाह बताते हुए कहा कि इमरान केवल जांच के लिए हैं। उन्होंने बताया कि मेडिकल टीम उनकी आंखों की जांच करेगी, विभिन्न टेस्ट करेगी और तय करेगी कि उन्हें अस्पताल स्थानांतरित किया जाए या जेल में ही इलाज जारी रखा जा सके। जानकारी के अनुसार, पांच डॉक्टरों की टीम ने विस्तृत आंखों की जांच की, खून के नमूने लिए और रक्तचाप मापा।

तारिक रहमान के भव्य शपथ ग्रहण की तैयारी : भारत से ओम बिरला जाएंगे, दुनियाभर से जुटेंगे 1200 मेहमान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश आम चुनाव में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) को जीत मिली है। उनके शपथ समारोह में बांग्लादेश और विदेश से लगभग 1,200 गणमान्य व्यक्तियों समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। उनका समारोह मंगलवार को शाम 4:00 बजे ढाका में राष्ट्रीय संसद भवन के दक्षिण प्लाजा में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हस्तियों के उपस्थित रहने की संभावना है। इनमें भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, भारतीय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसान इकबाल शामिल हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल होंगे

ब्रिटेन की इंडो-पैसिफिक उप

सचिव सीमा मल्होत्रा के भी इस समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। इसके अलावा, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के भी समारोह में भाग लेने की संभावना है। इन सभी राजनयिक को निमंत्रण भेजे जा चुके हैं। हालांकि आमंत्रित देशों में से कुछ से अभी भी पुष्टि की प्रतीक्षा है। रविवार को भारत के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

दोनों देशों के बीच स्थायी मित्रता को रेखांकित करती है

विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष की भागीदारी भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच गहरी और स्थायी मित्रता को रेखांकित करती है। हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।' आगे कहा गया है, 'एक साझा इतिहास, संस्कृति और आपसी सम्मान से एकजुट पड़ोसी होने के नाते, भारत तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश की निर्वाचित सरकार में परिवर्तन का स्वागत करता है, जिनकी दृष्टि और मूल्यों को जनता का भारी जनादेश प्राप्त हुआ है।'

यह समारोह बांग्लादेश के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षण साबित होने की उम्मीद है, क्योंकि बीएनपी की निर्णायक जीत के बाद देश नव निर्वाचित प्रशासन की ओर अग्रसर हो रहा है। 13वां संसदीय चुनाव गुरुवार को संपन्न हुआ और चुनाव आयोग ने शुक्रवार रात को विजयी उम्मीदवारों की आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना प्रकाशित की।

दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस परेड में शामिल हुए केंद्रीय गृह मंत्री : नए आपराधिक कानूनों को बताया उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस परेड में समारोह में पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा आने वाले समय में देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू हो जाएंगे। इससे देश में आपराधिक मामलों में सजा की दर 80 फीसदी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा माओवादी हिंसा के खिलाफ लड़ाई अपने आखिरी दौर में है और इस वर्ष मार्च तक यह खतरा हमेशा के लिए खत्म होने का भरोसा जताया।

उन्होंने आगे बाताया कि पिछले 11 वर्षों में देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। इसमें ये तीन नए न्याय आधारित आपराधिक कानून भी शमिल हैं। यह कानून लागू होने के बाद मामलों का निपटारा करने और सजा कू दर को बढ़ाने में मददगार साबित होंगे। गृह मंत्री ने तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) का जिक्र भी किया। इन सभी ने 1 जुलाई 2024 को आईपीसी, सीआरपीसी और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह ली। गृह मंत्री ने स्पेशल सेल के लिए एक इंटीग्रेटेड हेडक्वार्टर और सेफ सिटी प्रोजेक्ट का पहले फेज की भी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि सेफ सिटी प्रोजेक्ट के पहले फेज़ के तहत, 10,000 एआई आधारित सीसीटीवी कैमरों में से 2,100 को निगरानी नेटवर्क से जोड़ा गया है। साथ ही, पहले से मौजूद 15,000 सीसीटीवी कैमरों को भी इसके साथ जोड़ गया है।

सबरीमाला में महिलाओं के साथ भेदभाव मामले में नौ जजों की पीठ गठित, सात अप्रैल से होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट की 9-न्यायाधीशों की बेंच 7 अप्रैल से धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के भेदभाव के मामलों पर सुनवाई शुरू करेगी। इस मामले में प्रमुख रूप से केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी पक्ष अपनी लिखित दलीलें 14 मार्च तक जमा करें। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह सबरीमाला फैसले की समीक्षा का समर्थन करते हैं। बेंच में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली शामिल हैं।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील परमेश्वर और शिवम सिंह को एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त किया है, ताकि न्यायालय को आवश्यक मार्गदर्शन और पक्षों की दलीलों का विश्लेषण प्रदान किया जा सके। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि सुनवाई 22 अप्रैल तक पूरी की जाएगी। सबरीमाला फैसले की समीक्षा का समर्थन करने वाले पक्षों के लिए

कृष्ण कुमार सिंह को नोडल काउंसल नियुक्त किया गया है, जबकि फैसले का विरोध करने वालों के लिए शश्वती परी को नोडल काउंसल बनाया गया।

सुनवाई से पहले बढ़ी सियासी हलचल

यह मुद्दा इसलिए फिर सामने आया है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट सोमवार को 2018 के फैसले से जुड़े रिव्यू और रिट याचिकाओं पर विचार करने वाला है। उस फैसले में हर उम्र की महिलाओं को भगवान अयप्पा के मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई थी। विपक्षी कांग्रेस का कहना है कि सरकार को अदालत में जाने से पहले जनता को अपना रुख साफ-साफ बताना चाहिए। उनका आरोप है कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर अब तक असमंजस की स्थिति में है।

11 मई 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पांच-न्यायाधीशों की बेंच सीमित समीक्षा शक्तियों के तहत कानून के सवालों को बड़े बेंच को भेज सकती है। 2018 के सबरीमाला फैसले ने सभी उम्र की महिलाओं के मंदिर प्रवेश को अनुमति दी थी।सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्वतंत्रता और संविधान के अनुच्छेद 25 एवं 26 के दायरे पर सात प्रमुख सवाल भी तैयार किए हैं। इसमें यह भी स्पष्ट किया गया कि धार्मिक समूह या संप्रदाय की प्रथाओं को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पीआईएल (जनहित याचिका) के माध्यम से चुनौती दी जा सकती है या नहीं। सबरीमाला मामले के अलावा बेंच ने मस्जिदों और दरगाहों में मुस्लिम महिलाओं के प्रवेश और पारसी महिलाओं के अगियारी (पवित्र अग्नि स्थल) में प्रवेश से जुड़े मुद्दों को भी बड़े बेंच के समक्ष भेजा है।

विपक्ष का सवाल

नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन ने मुख्यमंत्री विजयन से पूछा कि क्या सरकार अब भी सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने पुराने हलफनामे के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार महिलाओं के प्रवेश के पक्ष में है तो उसे मजबूती से अदालत में यही बात रखनी चाहिए। अगर नहीं है तो हलफनामा वापस लिया जाए। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भी कहा कि पूरे केरल में सरकार से साफ रुख की मांग हो रही है और पीछे हटना जनता के साथ धोखा होगा। सत्तारूढ़ दल सीपीआई(एम) ने विपक्ष के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी के राज्य सचिव एम वी गोविंदन ने कहा कि सरकार अपना पक्ष अदालत में ही रखेगी और अभी इसे सार्वजनिक करना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि भक्तों की भावनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों दोनों का सम्मान किया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेता ए विजयराघवन ने भी कहा कि यह मामला बेहद जटिल है और सभी पक्षों को सुनने के बाद ही कोई ठोस फैसला लिया जाना चाहिए।

महिमा चौधरी से रवीना टंडन तकइन एक्ट्रेस की बेटियां हैं ब्यूटी क्वीन, देखें फैशनेबल लुक्स

90's की कई ऐसी एक्ट्रेस हैं जिनकी ब्यूटी के लोग आज भी कायल हैं। इन एक्ट्रेस की बेटियां भी फिल्मी दुनिया में खूब पॉपुलर हो रही हैं तो कुछ सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। तो चलिए देख लेते हैं रवीना से लेकर महिमा चौधरी तक... एक्ट्रेस की बेटियों की फैशनेबल लुक्स में तस्वीरें।

90's की कई ऐसी एक्ट्रेस हैं जिनकी ब्यूटी के लोग आज भी कायल हैं। इन एक्ट्रेस की बेटियां भी फिल्मी दुनिया में खूब पॉपुलर हो रही हैं तो कुछ सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। तो चलिए देख लेते हैं रवीना से लेकर महिमा चौधरी तक... एक्ट्रेस की बेटियों की फैशनेबल लुक्स में तस्वीरें।

रवीना की बेटी राशा थडानी

रवीना की बेटी राशा थडानी भी बला की खूबसूरत लगती हैं। रेड ड्रेस में उनका ये लुक वैलेंटाइन डे की इवनिंग डेट के लिए परफेक्ट रहेगा। उन्होंने फुल नेक बॉडीफिटेड ड्रैस कैरी की है जो फ्लोर लेंथ है। नेचुरल ब्लश मेकअप, बाउंसी सॉफ्ट वेव्स हेयर उनके लुक को इनहैंस कर रहे हैं।

एक्ट्रेस भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दासानी

एक्ट्रेस भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दासानी भी फैशन और ब्यूटी में कमाल हैं। उनका ये लुक काफी प्रिटी है, जिसे डे आउट के लिए क्रिएट किया जा सकता है और वर्कप्लेस पर भी ऐसे आउटफिट में डीसेंट लुक मिलता है। एक्ट्रेस ने वेज और वाइट का क्लासी कॉम्बिनेशन क्रिएट किया है।

महिमा चौधरी की बेटी अरीना चौधरी

एक्ट्रेस महिमा चौधरी के बेटी अरीना चौधरी इस वक्त सोशल मीडिया सेंसेशन बनी हुई हैं। लोग उनकी ब्यूटी की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अभी वह महज 19 साल की हैं और हाल ही में कुछ इवेंट्स के दौरान अपनी मां के साथ नजर आईं, जिनमें उनके लुक्स की भी खूब तारीफ हुईं।

पूजा बेदी की बेटी अलाया फर्नीचरवाला

एक्ट्रेस पूजा बेदी भी 90's की एक्ट्रेस हैं। उनकी बेटी अलाया फर्नीचरवाला ने कॉमेडी ड्रामा फिल्म जवानी जानेमन से डेब्यू किया और भी ब्यूटीफुल हैं। इसके अलावा भी वह ऑलमोस्ट प्यार डीजे मोहब्बत, फ्रेडी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उनके स्टाइल भी कमाल होता है। इस तस्वीर में अलाया शाइनी फैब्रिक की साड़ी में नजर आ रही हैं, जिसके बॉर्डर और में गोल्डन कशीदाकारी के साथ मिरर वर्क किया गया है।

श्वेता तिवारी की बेटी पलक

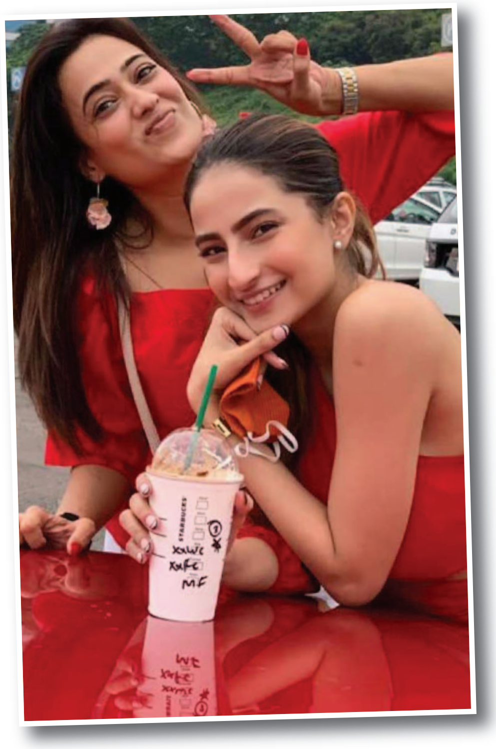

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की ब्यूटी की लोग तारीफ करते नहीं थकते हैं तो वहीं उन्होंने फिटनेस गोल भी सेट किया है। एक्ट्रेस की बेटी पलक भी कई म्यूजिक वीडियो समेत फिल्मों में नजर आ चुकी हैं और फैशनेबल लुक्स कमाल के होते हैं। पलक तिवारी ने ब्लैक कलर का शिमरी डिटेलिंग वाला लहंगा कैरी किया है। उनका ये लुक आप वेडिंग फंक्शन में रीक्रिएट कर सकती हैं।

अमृता सिंह की बेटी सारा

80 से 90 के दशक की एक्ट्रेस अमृता सिंह उस टाइम की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस में से एक थीं। उनकी बेटी सारा ने उनसे ही ब्यूटी विरासत में पाई है।सारा अली खान ने अपनी फिटनेस से लेकर लुक्स पर काफी काम किया है और आज वो इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक हैं। एक्ट्रेस का ये लुक वेडिंग सीजन में रीक्रिएट किया जा सकता है। उन्होंने बनारसी फैब्रिक का कलीदार लहंगा कैरी किया है, जिसमें जरी वर्क भी है।

आदर्श-शनाया की तू या मैं को दर्शकों ने नहीं दिया भाव, पहले ही दिन कमाई के लिए तरसी फिल्म

आदर्श गौरव और शनाया कपूर की नई फिल्म 'तू या मैं' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस सर्वाइवल ड्रामा का क्लैश शाहिद कपूर की ओ रोमियो से हुआ। वहीं 'तू या मैं' पहले ही दिन दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आई। इसी के साथ फिल्म की ओपनिंग भी बेहद ठंडी रही है। चलिए यहां जानते हैं 'तू या मैं' ने रिलीज के पहले दिन कितनी कमाई की है?

आदर्श गौरव और शनाया कपूर की फिल्म 'तू या मैं' दर्शकों को इम्प्रेस नहीं कर पाई। वहीं इसे ओ रोमियो से क्लैश और कुछ हफ्तों पुरानी बॉर्डर 2 और मर्दानी 3 से मुकाबला करना भारी पड़ा। जिसके चलते ये पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर पिट गई। फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो इसे ओपनिंग डे पर बड़ी मुश्किल से लाखों कमा पाई है।

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'तू या मैं' ने रिलीज के पहले दिन 50 लाख का कलेक्शन किया है।

'तू या मैं' की कहानी दो सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पर आधारित है। दोनों आराम के लिए एक सुनसान जगह पर जाते हैं, लेकिन वहां उनकी मुलाकात एक मगरमच्छ से हो जाती है और उनकी जान खतरे में पड़ जाती है। फिल्म में सस्पेंस और सर्वाइवल की कहानी दिखाई गई है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com